भाद्रपद शुक्ल पक्ष-8, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 156 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
21 नवम्बर 2023 मंगलवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

मतदान : इस रुझान से अंतिम निष्कर्ष पर कतई न पहुंचें

मध्य प्रदेश में इस साल पांच वर्ष के लिए नई विधानसभा के चुनावों में मतदान या मत प्रतिशत को लेकर पारंपरिक बहस का जो सिलसिला चल रहा है, उसकी कोई जरूरत नहीं है। उसके लिए किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जरूरत नहीं है कि वोटिंग के इस ट्रेंड से किस पार्टी की सरकार बनने जा रही है? कौन सत्ता में आ रहा है या कौन सत्ता से रूखसत हो रहा है।

मध्यप्रदेश में इस बार यानि 2023 के चुनाव के लिए 77.15 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। किसी जिले या विधानसभा क्षेत्र में इससे ज्यादा भी है तो कहीं इससे कम भी है। लेकिन इसके पहले यानि ढाई दशक से ज्यादा के भीतर हुए चुनावों की बात करें तो मतदान में लगातार इजाफा हुआ है। 1998 में जब बैलेट के जरिए मतदाधिकार का प्रयोग हुआ तो प्रदेश में कुल 60.22 फीसदी वोट पड़े थे। लेकिन 2003 में जब सूबे में पहली बार ईवीएम मशीन का प्रयोग हुआ तो सत्ता विरोधी लहर के बीच 67.25 फीसदी मतदान हुआ। इसके बाद से मतप्रतिशत लगातार बढ़ रहा है लेकिन वह किसी एक दल के लिए लाभकारी नहीं रहा है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

उमाभारती की अगुआई में तब भाजपा ने 1973 सीटों के साथ बंपर वोट हासिल किए। 2008में मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में लड़े गए चुनाव में भाजपा को 143 आईं लेकिन मत प्रतिशत 69.28 फीसदी तक जा पहुंचा। 2013 में प्रदेश में 72.07 फीसदी वोट पड़े और शिवराज की भाजपा सरकार ने 165 सीटों के साथ शानदार सफलता हासिल की। लेकिन 2018 में फिर वोट प्रतिशत (72.07 से बढ?र 74.97)बढ़ा लेकिन भाजपा कांग्रेस के मुकाबले 45 हजार ज्यादा वोट पाने के बावजूद कांग्रेस के मुकाबले पांच सीटों (कांग्रेस 114 तथा भाजपा 109) से पिछड़ गई।

अब इस चुनाव में 2.18 फीसदी वोट ज्यादा पड़े हैं तो राजनीतिक दलों से लेकर राजनीतिक विश्लेषक इसको कांग्रेस और भाजपा की हार जीत से जोडने की जंग में कूद पड़े हैं। सही मायनों में देखें तो मतदान बढने के कई कारण हैं। सबसे पहला तो ईवीएम मशीन से वोटिंग में वक्त कम लगता है। इसी के चलते 2003 से वोट प्रतिशत लगातर बढ़े। फिर निर्वाचन आयोग ने लोगों में मतदान के प्रति चेतना बढ़ाई है। लोकतंत्र के प्रति लोगों की बढ़ती आस्था भी इसे कह सकते हैं। भले ही विश्व का सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र के परिपक्व होने की काफी गुंजाइश और दरकार है। इन कारणों से हटकर राजनीतिक वजहों की ओर देखें तो मतदान की बढ़ोत्तरी में बड़ा योगदान हिंदु और मुस्लिम मतदाताओं में बढ़ता और ठोस होता वोटों का धुव्रीकरण है। दूसरी वजह राजनीतिक दलों में मची मुफ्तखोरी की घोषणाओं और बढ़-चढ?र किए जाने वाले चुनावी वादों की होड़ है। इसे रोकने सुप्रीम अदालत से लेकर चुनाव आयोग में यह पूछने की मंशा कतई नहीं दिखती कि देश के करदाता की जेबों से वसूले जाने वाली रकम में से चुनावी दल ये वादे कैसे पूरें करेंगे? इसकी भरपाई का रोड मैप क्या है?

बहरहाल राजनीतिक दल 3 दिसंबर तक यह दावे जरूर कर सकते हैं कि भाजपा की लाड़ली महिला योजना ने महिला मतदाताओं को मोहा है या फिर सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली, पुरानी पेंशन लागू करने की योजना या बेरोजगारी का मुद्दा कांग्रेस के पक्ष में जाएगा। लेकिन नतीजे तय करेंगे कि मतदान बढ़ाने में उनकी चुनावी घोषणाओं या 22 लाख नए वोटरों का हाथ है या पहली बार 178 सीटों पर उतरी बसपा और उसके गोंडवाणा गणतंत्र पार्टी के साथ गठजोड़ ने कोई गुल खिलाया है? यह भी पता चलेगा कि 66 सीटों पर उतरी आम आदमी पार्टी ने मत प्रतिशत पर कितना असर डाला है? मत भूलिए कि इनमें 11 बागी प्रत्याशी भाजपा के और 5 बागी कांग्रेस के हैं। फिर कांग्रेस के 39 और भाजपा के 35 बागी भी मतदान बढ़ाने तथा दलों के खेल बनाने और बिगाडने के लिए मैदान में थे। दलों के भितरघात का आकलन तो आंकड़ों में करना मुमकिन ही नहीं है।

मुद्दत बाद मंत्रालय पहुंचे सीएम शिवराज, सरकार ने शुरू किया कामकाज

मशीनरी का फोकस अब मतगणना पर, विधायकों को खाली करने होंगे घर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मतदान के बाद अब मशीनरी का पूरा फोकस मतगणना की व्यवस्थाओं पर है, इसके बीच सरकारी कामकाज भी शुरू हो गया है। आज लंबे समय बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंत्रालय पहुंचे हैं। बताया जाता है कि वे कुछ पुराने मामलों पर यहां गौर करेंगे और अफसरों से चर्चा करेंगे। दूसरी तरफ सरकार ने दिसंबर के पहले पखवाड़े में चुनकर आने वाले विधायकों के लिये आवास के प्रबंध भी शुरूआत भी कर दी है। फिलहाल इसके लिये करीब तीन दर्जन उन विधायकों को आवास खाली करने के लिये कहा जा रहा है,जो इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं,यानि टिकट वंचित रहे हैं। ऐसे विधायकों को पत्र भेजकर कहा गया है कि वे जल्द आवास रिक्त करें।

मतगणना की तैयारी,सबसे पहले दक्षिण व मध्य का नतीजा! : इधर भोपाल समेत सभी जिलों में मतगणना की तैयारी तेज हो गई हैं। इसके लिये निर्वाचन आयोग के निर्दशों के मुताबिक कलेक्टरों ने व्यवस्थायें करना शुरू कर दी हैं। अभी भी जहां ईवीएम मशीनें हैं, वहां कडी सुरक्षा है, कई जगहों पर उम्मीदवारों के समर्थक भी पहरा दे रहे हैं। भोपाल में सबसे पहले मध्य, उत्तर और दक्षिण-पश्चिम सीट के नतीजे आने की संभावना है,इसके बाद गोविंदपुरा और नरेला का चुनाव परिणाम सबसे बाद में आने के आसार हैं। तीन दिसंबर को सुबह 8 बजे से काउंटिंग का काम शुरू हो जाएगा। भोपाल में पुरानी जेल स्थित विधानसभा वार काउंटिंग के लिए हॉल बनाए गए हैं। सुबह 8 बजे से कर्मचारी, दिव्यांग और बुजुर्गों द्वारा डाले गए मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। इसके बाद 8.30 बजे से ईवीएम की गिनती शुरू हो जाएगी। माना जा रहा है कि दस बजे तक रूझान आने लगेंगे।

सारंग समर्थकों से भिड़ंत का मामला

जिस युवक से मारपीट, उसी के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल। अशोका गार्डन थना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव हिंद कान्वेंट स्कूल पोलिंग बूथ पर जिस कांग्रेस समर्थक के साथ मंत्री विश्वास सारंग के कथित समर्थकों ने मारपीट की थी। उसी कांग्रेस कार्यकर्ता के खिलाफ अशोका गार्डन थाने में मामला दर्ज किया गया है। उक्त एफआईआर दीपेंद्र श्रीवास्तव द्वारा दर्ज कराई गई है। बता दें कि 9 साल पहले दीपेंद्र श्रीवास्तव अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में हुई व्यापारी संजय जैन की हत्या के मामले में गिरफ्तार हो चुका था। वह खुद को मंत्री विश्वास सारंग का समर्थक बताता है। सूत्रों के अनुसार दीपेन्द्र ने अशोका गार्डन थाने में एफआईआर दर्ज करते हुए लिखाया कि वह प्रॉपर्टी डीलर है। महामाई की बाग की पुलिया के आगे बिल्ला और उसके लड़के मूसा ने रोका व अड़ीबाजी करते हुए पिटाई की। बताया जाता है कि कांग्रेस समर्थक बिल्ला की ही मतदान के दिन फर्जी वोटिंग के विवाद पर सारंग समर्थकों से झड़प हुई थी।

सुरंग में फंसे मजदूरों को 9 दिन बाद नसीब हुआ खाना

उत्तरकाशी, एजेंसी।

उत्तराखंड में सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित निकालने की कवायद के बीच ताजा खबर यह है कि इन मजदूरों की पहली तस्वीर भी सामने आ गई है। अभी यह सुरक्षित हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर यह जानकारी दी और तस्वीरें शेयर कीं।

डीआरडीओ की मदद से एंडोस्कोपिक कैमरा पाइप के जरिए मजदूरों तक पहुंचाया गया। इसके जरिए मजदूरों से बात भी की गई। मजदूरों ने गुहार लगाई कि उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला जाए। इससे पहले मजदूरों तक एक पाइप पहुंचाने में सफलता मिली है। इस पाइप के जरिए खिचड़ी, दलिया और फल भेजे गए हैं। इस तरह नौ दिन बाद

मजदूरों की पहली तस्वीर सामने आई,सभी की मार्मिक गुहार-जल्द बाहर निकालो

मजदूरों को खाना नसीब हुआ है। उम्मीद है कि जल्द इन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा। आज सुरंग में दो तरफ के खुदाई शुरू हो सकती है। इसके लिए सोमवार रात को वर्टिकल ड्रिलिंग मशीन पहाड़ के ऊंचे हिस्से पर पहुंच गई है। यह मशीन पहाड़ के ऊपर से वर्टिकली ड्रिल करेगी। वहीं, दूसरी ओर अमेरिकी ऑगर ड्रिल मशीन सुरंग में अंदर की ओर से मलबे में 800-900 मिमी का स्टील का पाइप डालने की कोशिश कर रही हैं। ताकि इस पाइप के सहारे मजदूरों को बाहर निकाला जाए।

पीएम मोदी ने टीम इंडिया को बुलाया दिल्ली

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय टीम के विश्व कप के फाइनल में हारने के बाद अब पीएम नरेंद्र मोदी का ड्रेसिंग रूम में खिलाडियों से मिलने के फोटो के बाद अब वीडियो भी सामने आया है। उन्होंने वहां कप्तान रोहित शर्मा, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कोच राहुल द्रविड़ समेत पूरी टीम से मुलाकात की और उनकी पीठ थपथाई। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों से कहा कि आपने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में हार गए, लेकिन ये होता रहता है। रोहित और कोहली का हाथ पकड़ के मोदी ने कहा, 'आप लोग पूरा 10-10 मैच जीतकर आए हो। ये तो होते रहता है। देश आपलोगों को देख रहा है। मैंने सोचा कि सबसे मिल लूं।'

बाद मोदी ने कोच राहुल द्रविड़ से बात की और उनकी पीठ थपथपाई। प्रधानमंत्री ने उनसे कहा, 'आप लोग मेहनत बहुत किए।' फिर रवींद्र जडेजा से गुजराती में बात की। मोहम्मद शमी को गले लगाया। फिर वह जसप्रीत बुमराह के पास गए और उनसे पूछा कि आप गुजराती बोलते हैं तो बुमराह ने कहा- थोड़ा-थोड़ा।

खिलाड़ियों को दिया निमंत्रण: सबसे मिलने के

बाद पीएम मोदी ने बीच में खड़े होकर कहा, 'ऐसा होते रहता है। साथियों में एक-दूसरे का हौसला बुलंद करते चलिए और जब आपलोग फ्री होकर कभी दिल्ली आएंगे तो बैठूंगा आप लोगों के साथ। मेरी तरफ से आप सबको निमंत्रण है।'

सलकनपुर जा रहे श्रध्दालुओं की कार पलटी एक मौत

हरदा। सलकनपुर धाम में मां विजयासन देवी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार पलटने से एक महिला की मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। घायलों में एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। शहर के पीलियाखाल निवासी एक परिवार हादसे का शिकार हुआ है।बताया जाता है कि आज सुबह करीब आठ बजे हरदा-छीपानेर मुख्य मार्ग पर भुवनखेड़ी गांव के पास हादसा हुआ। कार के सामने अचानक एक श्वान आ गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जाकर पलट गई। हादसे में 45 वर्षीय सुनीता कैथवास की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। जबकि उज्जैन निवासी महिला सकुन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जिंदा नास्त्रेदमस की डराने वाली भविष्यवाणी, साल खत्म होने से पहले...

नई दिल्ली एजेंसी। 'द लिविंग नास्त्रेदमस' कहे जाने वाले ब्राजील के 37 साल के एथोस सलोमी ने ने कुछ ऐसी भविष्यवाणियां की हैं जो डरा रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस साल के अंत तक बहुत बुरा हो सकता है। सैलोमे वही हैं जिन्होंने पहले कोरोना वायरस, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध और क्वीन एलिजाबेथ की मृत्यु की भविष्यवाणी की थी। उनके फॉलोअर अक्सर उनकी तुलना 16वीं शताब्दी के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस से करते हैं। एथोस ने कहा कि 2023 खत्म होने से पहले दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं की लहर आ सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी भविष्यवाणी कोई पत्थर की लकीर नहीं हैं, और इस सबसे उनका इरादा लोगों में दहशत में डालने का बिल्कुल नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि दुनिया भर में बाढ़ और भूकंप आ सकते हैं।

मेट्रो एंकर रेमंड के अरबपति मालिक गौतम सिंघानिया पत्नी नवाज से अलग हुए

8745 करोड़ रुपए का तलाक !

मुबंई, एजेंसी।

भारतीय अरबपति व रेमंड का मालिक गौतम सिंघानिया अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने की कीमत करीब साढे सात हजार करोड़ रूपये चुकाने वाले हैं। दोनों शादी के 32 साल बाद एक दूसरे से अलग हो रहे हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अरबपति सिंघानिया की पत्नी ने तलाक को लेकर उनके सामने शर्त यह रखी है कि उन्हें संपत्ति का 75 फीसदी हिस्सा दिया जाए। बिजनेस टुडे पर ईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि नवाज ने यह हिस्सा अपनी बेटी निहारिका, निशा के जीवन व परवरिश के लिये मांगा है। दोनों के बीच अलगाव का खुलासा हाल में तब हुआ,जब दिवाली के दिन ठाणे स्थित रेमंड स्टेट में गौतम सिंघानिया की ओर से दिवाली पार्टी का आयोजन हुआ मगर नवाज सिंघानिया को एंट्री नहीं मिली।

58 साल के गौतम ने 1999 में सॉलिसिटर नादर मोदी की बेटी नवाज से शादी की थी। तलाक पर जारी चर्चाओं पर हाल में 13 नवंबर को खुद सिंघानिया ने एक भावुक पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि दोनों ने अलग-अलग रास्ते पर चलने का फैसला किया है- 'हमारे लिए इस साल की दिवाली पहले जैसी नहीं है। कपल के तौर पर 32 साल साथ रहकर, माता-पिता के तौर पर ग्रो होकर और हमेशा एक-दूसरे के लिए मजबूती के साथ बने रहे. हमारे कमिटमेंट और भरोसे के सफर में दो सबसे खूबसूरत जुड़ाव भी आए।' उन्होने लिखा है कि 'ही हम दोनों अलग हो रहे हैं। लेकिन अपनी बेटी निहारिका और निशा सिंघानिया की देखरेख पहले की तरह दोनों करते रहेंगे.दोनों के लिये अच्छा होगा, वो हम दोनों करेंगे।'

11,620 करोड़ के मालिक

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो गौतम ने अपनी 11,620 करोड़ रुपये की संपत्ति में से बेटियों और पत्नी के लिए 75 फीसदी हिस्सा देने पर अपनी सहमति जाहिर की है। उन्होंने फंड ट्रांसफर के लिए एक फैमिली ट्रस्ट बनाने की बात कही है। इस ट्रस्ट में परिवार के वेल्थ और असेट ट्रांसफर करेंगे। हालांकि, सिंघानिया चाहते थे कि उनकी मौत के बाद उनके परिवार के सदस्यों को संपत्ति की वसीयत करने की अनुमति दी जाए, जो उनकी पत्नी नवाज को मंजूर नहीं है।

राजस्थान में महिला मुखिया को 10 हजार देगी कांग्रेस

जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान विस चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र आज जारी कर दिया। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मौजूद रहे। कांग्रेस ने 10 लाख रोजगार, 4 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया है। इसके अलावा कांग्रेस ने किसानों के लिए कॉरपोरेट बैंकों से 2 लाख रुपये का ब्याज मुक्त लोन, एमएसपी पर कानून लाने की भी बात कही है। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ की तरह राजस्थान में भी जातिगत जनगणना का वादा किया है तथा गांव में व्यापार शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये का लोन बिना गारंटी देने व 2 रुपये प्रति किलो में गोबर खरीदने, चिरंजीवी हेल्थ इंश्योरेंस की राशि 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख व घर की महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपये सालाना देने का वादा किया है।

औचक निरीक्षण के दौरान गायब थे शिक्षक, कलेक्टर ने किया निलंबित

- 4 शिक्षक एवं 1 सहायक ग्रेड-3 निलंबित
- 2 शिक्षकों को दिया नोटिस
- प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी
- 2 आउटसोर्स ऑपरेटरों सेवा भी समाप्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर आशीष सिंह सोमवार को भोपाल के रुनाहा नजीराबाद एवं सूरजपूरा क सरकारी स्कूलों में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान इन स्कूलों में कई शिक्षक और शिक्षिकायें गायब रहके। कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए इन्हे तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने 4 शिक्षकों और एक लिपिक को निलंबित कर दिया है। वहीं दो शिक्षकों कारण बताओं नोटिस दिया गया है। इसके साथ ही 2 आउटसोर्स ऑपरेटर की सेवा समाप्ति की कार्यवाही की है। नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने शास.उ.मा.वि.रूनाहा, शास. माध्य. शाला नजीराबाद, शा.मा.शा. सूरजपुरा का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह, एसडीएम विनोद सोनकिया सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण के दौरान यह नहीं मिले

औचक निरीक्षण में अनुपस्थित शिक्षक सुशीला सोलंकी माध्यमिक शिक्षक, शुभम सिंह सहायक ग्रेड तीन, कुमुद कुशवाह प्राथमिक शिक्षक, मीना चतुर्वेदी, प्रा.शि. एवं नानक प्रसाद अहिरवार, प्रा.शि. को निलंबित किया गया है। इसी के साथ नीलम शर्मा उ.मा.शि. एवं आरती त्रिपाठी उ.मा.शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किये है। विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले दो आउटसोर्स ऑपरेटर कान्हा मीणा एवं भजन गौर की सेवा समाप्त की गई है। शासकीय माध्यमिक विद्यालय नजीराबाद की प्रभारी प्रधान अध्यापिका की दो वेतन वृद्धि रोकी गई है।

भोपाल–इटारसी के बीच 10 मिनट पहले पूरा होगा मुसाफिरों का सफर

- बरखेड़ा–बुधनी घाट सेक्शन में तीसरी रेल लाइन का काम पूरा
- केवल पटरी जोड़ने का काम बाकी, जनवरी में दौड़ने लगेंगी नई पटरी पर ट्रेनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल से इटारसी के बीच रेल यात्रियों की यात्रा 10 मिनट पहले पूरी हो जाएगी। यानी वर्तमान में यात्रा पूरी करने में जो समय लग रहा है, उससे 10 मिनट और कम हो जाएंगे।

यह सबकुछ बरखेड़ा से बुधनी के बीच बनकर तैयार तीसरी रेल लाइन पर ट्रेनों के दौड़ने से होगा। इस पटरी पर जनवरी के अंत तक ट्रेनें दौड़ने लगेंगी। अभी इन पटरियों को पुराने ट्रैक से जोड़ा जा रहा है, यह काम नवंबर माह के अंत तक चलेगा। इसके बाद उक्त रेलखंड का सेफ्टी ऑडिट होगा और फिर कमियों को पूरा करने के बाद ट्रेनों को नियमित रूप से चलाने की अनुमति मिलेगी।

इन कारणों से कम हो जाएंगे रेल यात्रियों के 10 मिनट

- बरखेड़ा–बुधनी के बीच घाट सेक्शन है, जिसे ट्रेनों को पार करने में आधे से पौन घंटे का समय लग जाता है क्योंकि मौजूदा दो लाइनें वर्षों पुरानी है और उनमें उसी समय की तकनीक उपयोग की गई है। घाट सेक्शन को भी अपेक्षाकृत जितना कम करना चाहिए था उतना कम नहीं किया गया है। कई बार तो दो–दो इंजन लगाने पड़ते है। यही नहीं, कुछ ट्रेनें तो पूर्व में दो हिस्सों में बंट चुकी है या फिर मालगाड़ी के पहियों को पटरी पर बालू डालकर चढ़ाया जाता है लेकिन तीसरी रेल लाइन बहुत ही अपडेट है जिसमें घाट सेक्शन को कम किया है।
- पुरानी रेल लाइनों में कर्व बहुत है, जिसके कारण लोको पायलटों को ट्रेनें काफी सावधानी पूर्वक चलानी पड़ती है लेकिन तीसरी लाइन में इन कर्व को कम से कम कर दिया है।
- उक्त घाट सेक्शन में पहले से मौजूदा दो लाइनों की लंबाई अपेक्षाकृत 30 किलोमीटर से अधिक है लेकिन तीसरी रेल लाइन की लंबाई 26 किलोमीटर ही है। अर्थात कर्व कम करने के कारण लंबाई घटी है। इस अनुरूप भी रेल यात्रा का समय कम होगा।
- पूर्व के ट्रैक पर पुल–पुलिया काफी पुराने हैं और उनमें पुरानी तकनीक ही उपयोग की गई है लेकिन जो तीसरी लाइन बनाई है, वह अपडेट है और पुल–पुलियाओं में नई तकनीक का उपयोग किया गया है। इसके कारण ट्रेनों की गति कम करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

कार्तिक मास में अखंड रामायण का पाठ, भगवान विष्णु का विशेष श्रृंगार - श्रेष्ठ माना गया है कार्तिक मास - पटेरिया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत नगर सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में कार्तिक मास मनाया जा रहा है। सोमवार सुबह से 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर समिति के पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। अखंड रामायण पाठ का समापन मंगलवार को होगा। कार्तिक मास को लेकर मंदिर को फूलों से सजाया गया है और भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया है। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि सुख-शांति की कामना करते हुए माता मंदिर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में हर माह का विशेष महत्व होता है। लेकिन कार्तिक मास इनमें सबसे श्रेष्ठ है। इस माह में धनतेरस, दीपावली, अन्नकूट, छठ पूजा, तुलसी पूजन आदि व्रत त्योहार आते हैं। कार्तिक माह भगवान विष्णु का ही स्वरूप है। इस माह धार्मिक आयोजन करने से सुख, समृद्धि और भगवान की कृपा होती है।

गुरमुखदास से मुलाकात की, दीपावली की बधाई दी

प्रदेश में बन रही कांग्रेस सरकार: पचौरी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने संतनगर में वरिष्ठ कांग्रेस गुरमुखदास खानचंदानी से उनके निवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच विधानसभा चुनाव और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई।

पचौरी ने दावा किया कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। पचौरी ने कहा, मतदाताओं ने भ्रष्टचार, बेरोजगारी, मंहगाई को लेकर मतदान किया है। 18 साल सत्ता में काबिज भाजपा सरकार को लेकर जनता में बेहद गुस्सा है। पिछले चुनाव में भी जनता ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया था, लेकिन पांच साल तक काम नहीं करने दिया। पचौरी ने गुरमुखदास खानचंदानी को दीपावली की बधाई भी दी। बता दे बैरागढ़ में कांग्रेस की राजनीति का बड़ा नाम है, गुरमुखदास। वह अपने दौर में पार्टी के प्रखर वक्ता था। मुलाकात के दौरान जीतेश खानचंदानी, प्रदेश महासचिव, जगदीश खानचंदानी व परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

राजधानी में छाया कोहरा

भोपाल में सुबह-सुबह हल्का कोहरा छाने लगा है। जिससे लोग गर्म कपड़े पहनकर घर से निकल रहे हैं। -फोटो: भूपेंद्र सिंह

झामनानी का अभा सिंधी बोली साहित्य सभा ने सम्मान किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ न्यासी दादा ईश्वर झामनानी ट्रस्ट की बैठक में शामिल हुए। अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अशोक मनवाणी ने प्रशस्ति पत्र और सभा का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि गत 29 अक्टूबर 2023 को सिंधु भवन ट्रस्ट सभाकक्ष भोपाल में अखिल भारत सिंधी बोली ऐं साहित सभा का वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सुहिणा सिंधी समारोह- 2023 और सिंधी नाटक पोस्टकार्ड का मंचन हुआ था। कार्यक्रम के संयोजक अशोक मनवाणी ने मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवाणी, अन्य पदाधिकारी गण एवं दादी पारी मूरजानी वरिष्ठ समाजसेविका भोपाल का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

दादा झामनानी से भेंट के अवसर पर गुरु जी सहित मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट ,भोपाल के पदाधिकारी एवं सदस्य गुलाब ठाकुर इंदौर और मनोज गोलानी, जितेंद्र जादवानी भोपाल उपस्थित रहे।

मुसाफिरों से गुलजार हुआ भोपाल एयरपोर्ट

सवा लाख के आंकडे तक पहुंचने के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी का राजा भोज एयरपोर्ट इस वक्त यात्रियों से गुलजार हो रहा है। इस माह यात्रियों की संख्या का आंकड़ा सवा लाख से अधिक होने की संभावना है। भोपाल से देश के विभिन्न शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों की औसत संख्या चार हजार से अधिक हो गई है। एयरपोर्ट पर एक दिन में सर्वाधिक यात्री संख्या का पिछला रिकार्ड भी दो दिन पहले टूट गया है।?रविवार को यहां से 4629 यात्रियों ने सफर किया। इस माह दीपावली का पर्व होने के कारण एयरलाइंस कंपनियों को 90 फीसदी तक पैसेंजर लोड मिला। अहमदाबाद में हुए विश्व कप फाइनल क्रिकेट मैच के कारण भी विमान में सफर करने वालों की संख्या बढ़ी। आमतौर पर राजा भोज एयरपोर्ट से प्रतिदिन चार हजार से कम यात्री सफर करते हैं। पिछला रिकार्ड 4250 यात्रियों का था, जो अब टूट चुका है। त्यौहारी सीजन में एयरलाइंस कंपनियों ने मनमाने किराये पर सीटों की बुकिंग की, इसके बावजूद समय बचाने के लिए यात्रियों ने विमान से सफर करने का विकल्प चुना। इसका असर मासिक यात्री संख्या पर भी नजर आएगा। बताया जाता है कि पिछले तीन माह से राजा भोज एयरपोर्ट से यात्रियों की मासिक संख्या एक लाख से अधिक लेकिन सवा लाख से कम रही है। नवंबर माह में यात्री संख्या सवा लाख से अधिक होना लगभग तय है। यह आंकड़ा पार करने ही हमारा एयरपोर्ट देश के ऐसे चुनींदा एयरपोर्ट्स में शामिल हो जाएगा, जो क्लब सवा लाख में शामिल हैं।

अब उड़ानें भी बढेंगी

भोपाल से ह्वाईजहाजों को मिल रहे यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या सकारात्मक संकेत है। इसलिये आने वाले दिनों में यहां से उड़ानें भी बढ़ सकती हैं। कुछ शहरों तक सीधी उड़ान की जरूरत महसूस की जा रही है। हम एयरलाइंस कंपनियों के सतत संपर्क में हैं। नए साल में उड़ानों की संख्या जरूर बढ़ेगी।

गोपाष्टमी पर गौ माता की पूजा अर्चना की सिंधी समाज ने सुख-समृद्धि की कामना की महिलाओं ने

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कार्तिक माह में मनाया जाने वाला गोपाष्टमी का पर्व सिंधी समाज ने परंपरागत तरीके से मनाया।महिलाओं ने घरों में बना हुआ भोजन गौ माता को खिलाया। गौ वंश का सजाया संवारा गया। कार्तिक माह के दौरान गोपाष्टमी का पर्व सिंधी समाज की महिलाएं मनाती है। सुबह से ही महिलाएं नलकूपों और गौ शालाओं में जाकर पूजा अर्चना करती हैं। गौ माता को भोजन,करवाकर उनकी आरती उतारी। सिंधी समाज के कई लोगों ने बच्चों के मुंडन भी कराए।

क्यों मनाया जाता है पर्व?: हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन गोपाष्टमी का त्योहार मनाया जाता है. पंचांग के अनुसार आज यानि 20 नवंबर को गोपाष्टमी मनाई गई। इस दिन गौ माता का विधि-विधान से पूजन किया जाता है और कहते हैं कि गौ माता की पूजा करने से एक साथ सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है. हिंदू धर्म में गाय माता को पूजनीय स्थान दिया गया है. इसलिए घर में बनने वाले भोजन को सबसे पहले गाय माता के लिए निकाला जाता है. आइए जानते हैं गोपाष्टमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त शुरू हो जाते है।

मेट्रो एंकर अनूठी परंपरा: सिंधी समाज की महिलाएं साल में एक बार विश्रामघाट में सुनती हैं सत्संग

संतनगर में ग्यारस पर होता है विश्रामघाट में भजन कीर्तन एवं सत्संग

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

महिलाएं देव उठनी ग्यारस के दिन संतनगर के विश्रामघाट में सत्संग की परंपरा है। सत्संग से पहले टेऊंराम आश्रम से महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए संतनगर की परिक्रमा करती हैं, लेकिन इस बार विश्रामघाट में ही सत्संग स्थल पर भजन भजन-कीर्तन हुआ, यह अनूठी परपंरा करीब चार दशक पुरानी है।

सिंधी समाज की महिलाओं का हर साल देवउठनी ग्यारस पर विश्रामघाट में सत्संग होता है। साल में एक बार सिंधी समाज की महिलाएं विश्रामघाट जाती हैं। वे विश्रामघाट में उस परमात्मा को याद करती हैं, जो संपूर्ण जीव जगत का विधाता है। इस सत्संग की शुरूआत स्वामी टेऊंराम के आदेश पर हुई थी। दादी विद्यादेवी ने सत्संग में कहा कि धरती पर हम सभी मुसाफिर हैं और सभी को एक न एक दिन ईश्वर के घर जाना ही है। श्मशान घाट ईश्वर के घर पहुंचने का एकमात्र द्वार है, जहां सभी महिलाएं साल में एक बार भजन-कीर्तन करने पहुंची हैं। टेऊंराम आश्रम के दयाल तोलानी ने बताया कि महिलाओं के मन का डर मिटाने और अंतकाल में क्या होना है, इसका ज्ञान कराने के लिए ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। राम एंड श्याम पार्टी ने भजन कीर्तन किया। स्वामी शांति प्रकाश चौराहे पर विशेष पूजा अर्चना और आरत की गई। मंबई से गद्दीनशीन स्वामी देवप्रकाशजी कल्याण पांच से अरदास और पल्लव किया।

बच्चे की पहुंचे सत्संग सुनने

विश्राम घाट पहुंची महिलाओं के साथ पुरुषों सहित छोटे बच्चे भी रहते हैं। जीवन को सफल बनाने की कामना लेकर सत्संग में पहुंचने वाली महिलाएं श्मशान के हर उस कोने को देखती हैं, जहां वे आने में कतराती हैं। महिलाएं सत्संग के दौरान भगवान के भजन में रंग भी दिखाई देती हैं। महिलाओं का कहना है कि साल में एक बार होने वाले सत्संग में आकर उन्हें जरा भी डर नहीं लगता। इसीलिए वे बच्चों को भी साथ लाकर भजन-कीर्तन में हिस्सा लेती हैं। उनका कहना था कि कई सालों से यहां भजन-कीर्तन कर रहे हैं। श्मशान में पहुंचकर उन्हें काफी शांति मिलती है।

राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता

भोपाल सहित अन्य संभागों से शामिल हुई छात्रों की 16 टीमें, मनमोहक प्रस्तुति

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में शिवाजी नगर स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय परिसर में इंटर स्कूल बैंड प्रतियोगिता के तहत सोमवार को राज्य स्तरीय बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भोपाल संभाग सहित अन्य संभागों से 16 टीमें शामिल हुईं। सभी टीमों ने देश भक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे लोक शिक्षण आयुक्त अनुभा श्रीवास्तव, विशेष अतिथि के रूप में संचालक लोक शिक्षण डी एस कुशवाहा, विशेष शस्त्र बल एवं मध्य प्रदेश पुलिस के बैंड स्कूल के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बालिका वर्ग पाइप बैंड वर्ग में मॉडल स्कूल टीटी नगर भोपाल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम ने सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी। पाइप पेंट बालिका वर्ग में नर्मदा परम संभाग के सेंट जोसेफ स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान पर जबलपुर संभाग के केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 का रहा। ब्रास बैंड बालिका वर्ग में भोपाल संभाग की टीम कार्मल कान्वेंट स्कूल सिक्योरिटी लाइन भोपाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर नर्मदा पुरम संभाग की टीम और तृतीय स्थान पर सागर संभाग रहा। बालक वर्ग पाइप बैंड प्रतियोगिता में भोपाल संभाग के सेंट ओलंपस स्कूल विदिशा प्रथम, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 जबलपुर द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर सागर संभाग रहा। बालक वर्ग ब्रास बैंड प्रतियोगिता में नर्मदा पुरम संभाग की टीम ने प्रथम, द्वितीय स्थान पर सागर संभाग एवं तृतीय स्थान भोपाल संभाग में प्राप्त किया।

मतदान के बाद अब सरकारी कामकाज के दर्रे पर लौटने की बारी

कर्मचारियों का डीए बढेगा, पुलिस फोर्स को फिर मिलेगी छुट्टी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

करीब सवा महीने की चुनाव ड्यूटी, आचार संहिता और अन्य %बंधन% अब धीरे धीरे खुलने लगे हैं। सरकार के स्तर पर होने वाले फैसले भी अब होने के आसार हैं, हालांकि सरकारी कामकाज में गति तो दिसंबर के पहले सप्ताह में चुनाव ने नतीजे और नयी सरकार के गठन के बाद ही आएगी, लेकिन अटके हुए कुछ फैसले होने के आसार हैं। उधर भाजपा व कांग्रेस के नेताओं की राजस्थान व तेलंगाना के विधानसभा चुनाव में ड्यूटी लग रही है। भाजपा के मप्र से छह मंत्री चुनाव प्रचार के लिये तेलंगाना भेजे जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक प्रदेश के सात लाख से अधिक नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता अगले सप्ताह चार प्रतिशत बढ़ाया जा सकता है। वित्त विभाग ने दोबारा चुनाव आयोग से महंगाई भत्ते 42 से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करने की अनुमति मांगी है। विभाग ने मतदान के पहले प्रस्ताव भेजा था, लेकिन तब आयोग ने अनुमति नहीं दी थी। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को जुलाई 2023 से 46 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दे रही है। पेंशनरों की महंगाई राहत में भी इसी तरह वृद्धि की गई है। महंगाई भत्ता 46 प्रतिशत करने की अनुमति चुनाव को देखते हुए निर्वाचन आयोग ने रोक दी थी। चूंकि अब मतदान हो चुका है इसलिए विभाग ने एक बार फिर अनुरोध किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों का कहना है कि अब इसमें कोई परेशानी नहीं है। आयोग का मार्गदर्शन मिलने पर आगामी निर्णय लिया जाएगा। उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक इस पर निर्णय हो सकता है।

इधर मतदान होने के बाद पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को पहले की तरह सामान्य अवकाश देने फिर शुरू होंगे। पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। चुनाव के चलते अभी तक तक सीमित अवधि के लिए ही अवकाश स्वीकृत करने के निर्देश थे। डीजीपी ने यह भी कहा है कि तीन दिसंबर को चुनाव के नतीजे आने के बाद कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द की स्थिति सामान्य बनाए रखने के लिए पहले से ही अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए।

भाजपा नेताओं का जत्था तेलंगाना जाएगा

मप्र में मतदान के बाद अब भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मध्य प्रदेश के भाजपा नेताओं को तेलंगाना चुनाव की कमान सौंप रहा है। मप्र से भाजपा के 22 नेताओं की टीम तेलंगाना के लिये रवाना होने वाली है। जहां तेलंगाना की जनता को डबल इंजन की भाजपा सरकार में प्रदेश में हुए विकास को आधार बनाकर अपनी बात रखेगी। साथ ही भाजपा सरकार में अलग-अलग वर्ग के लिए जो काम हुए है, उन्हें बताया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व ने मध्य प्रदेश के सांसद, मंत्री और विधायकों के नामों की सूची जारी कर तेलंगाना रवाना होने के निर्देश दिए हैं। तेलंगाना में कुल 119 सीटों पर 30 नवंबर को मतदान है। भाजपा ने सात मंत्रियों, तीन सांसद, चार विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की तेलंगाना चुनाव में जिम्मेदारी तय की है। इनमें मंत्री नरोत्तम मिश्रा, भूपेंद्र सिंह, राजेंद्र शुक्ल, कमल पटेल, विश्वास सारंग, अरविंद सिंह भदौरिया और मोहन यादव तेलंगाना जाएंगे। सांसदों में केपी यादव, अनिल फिरोजिया और गजेंद्र सिंह पटेल एवं विधायकों में रमेश मेंदोला, रामेश्वर शर्मा, यशपाल सिंह सिसोदिया, शरदेंदु तिवारी भी तेलंगाना में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में सभाएं करेंगे। दरअसल तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस के बीच मुकाबला है। वर्ष 2018 में बीआरएस 119 में से 88 सीटें जीतने में सफल रही थी और उसका वोट शेयर 47.4 प्रतिशत था। कांग्रेस 19 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। उसका वोट शेयर 28.7 फीसदी था।

ज्ञापन सौंपा

फाइल फोटो

भोपाल। भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में मतदान से पहले हुई घटना को लेकर खजुराहो एसपी को ज्ञापन सौंपा। शर्मा ने कहा कि सलमान की मौत पर मैं संवेदना व्यक्त करता हूं, लेकिन घटना सुबह साढे तीन चार बजे की है। पुलिस को इसकी जानकारी सुबह 6 बजे दी गई। राजनीतिक लाभ लेने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नाती राजा ने ऐसा किया।

पीएम श्री योजना बदलेगी प्रदेश के स्कूलों की तस्वीर

पहले चरण में 416 सरकारी स्कूल चयनित, दूसरे में 133 का प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सीएम राइज योजना के बाद अब पीएम श्री योजना प्रदेश के स्कूलों की तस्वीर बदलेगी। पीएम श्री योजना के तहत पहले चरण के स्कूलों का चयन किया जा चुका है। इसमें करीब 416 सरकारी स्कूलों को सर्वसुविधायुक्त बनाया जाएगा। वहीं दूसरे चरण के लिए करीब 133 स्कूलों का प्रस्ताव भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत प्रदेश के हर विकासखंड से दो स्कूल चयनित करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें एक विकासखंड में एक प्रायमरी-मिडिल स्कूल और एक स्कूल हाई या हायर सेकेंडरी शामिल है। मप्र के 322 विकासखंड में दो-दो स्कूलों का पीएम श्री योजना से कायाकल्प किया जाएगा। योजना के तहत प्रदेश के करीब 600 स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं दी जाएगी। पुराने स्कूलों का अपग्रेडेशन होगा। इन पुराने स्कूलों को अपग्रेड करते समय आधुनिक सुंदर ढांचे, स्मार्ट कक्षाओं, खेल सहित अन्य आधुनिक बुनियादी सुविधाओं पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह सभी स्कूल केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर स्थापित किए जाएंगे।

फाइल फोटो

स्कूल के बैंक खाते में पहुंचेगी राशि

इसके लिए 219 करो ? का बजट स्वीकृत किया गया है। इसकी राशि सीधे स्कूल के बैंक खाते में भेजी जाएगी। जिससे प्राचार्य व स्कूल समिति मिलकर खर्च करेगी। राजधानी का महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उमावि बरखे ?ा को पीएमश्री योजना के तहत चयनित किया गया है। इस स्कूल को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है।

दिसंबर में भारत सरकार को कार्य योजना प्रस्तुत करनी है

स्कूल शिक्षा विभाग को पीएम श्री योजना की कार्य योजना वर्ष 2024-25 के लिए दिसंबर में भारत सरकार को कार्य योजना प्रस्तुत करनी है। इसे देखते हुए विभाग ने आदेश जारी किए हैं कि पिछले पांच सालों में स्कूलों के निर्माण कार्य को दिसंबर तक पूर्ण कर फोटो उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। वार्षिक कार्ययोजना में जीर्ण-शीर्ण शाला भवन के स्थान पर नवीन भवन, शौचालय, अतिरिक्त कक्ष, सोलर पैनल सहित अन्य सुविधाओं को जल्द पूरा कर फोटो उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्रालय कर्मचारी संघ आचार संहिता के बाद फिर 'संघर्ष' करेगा

भोपाल । मप्र मंत्रालयीन कर्मचारी संघ का पंजीयन निरस्त हो जाने के कारण नवगठित- मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ-ने अपना एजेंडा और प्राथमिकताएं तय कर दी हैं। तदर्थ कार्यकारिणी की बैठक में तय हुआ कि पदोन्नति या वेतनमान के अनुरूप पदनाम,मंत्रालय को चौथा समयमान,पुरानी पेंशन बहाली,सहायक ग्रेड 3 की ग्रेड पे उन्नयन, अनुकंपा नियुक्ति से नियुक्त लिपिकों को सीपीसीटी से उन्मुक्ति, अनुभाग अधिकारी की ग्रेड पे 5400 करने, तृतीय समयमान वेतनमान में अनुभाग अधिकारी की ग्रेड पे देने, चतुर्थ श्रेणी का पदनाम परिवर्तन और चतुर्थ श्रेणी की अन्य समस्याएं-वर्दी सिलाई और धुलाई भत्ते में वृद्धि आदि मुद्दों को लेकर आचार संहिता समाप्त होने के बाद प्रारंभ किया जायेगा। मंत्रालय में पदस्थ और मंत्री स्थापना में पदस्थ आकस्मिकता निधि कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति देने हेतु ली गई प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम घोषित करवाने हेतु प्रभावी पहल की जायेगी। बैठक में संघ पदाधिकारी सुधीर नायक,राजकुमार पटेल,आलोक वर्मा,आशीष सोनी आदि मौजूद थे।

मेट्रो एंकर | दो मामले में मानव अधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट

शिकायत करने पहुंची पीड़िता को आरोपियों ने थाने में पीटा, पुलिस कमिश्नर को दिए जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला राजधानी के कोहेफिजा थाने में शिकायत करने पहुंची एक पीड़िता को आरोपियों द्वारा थाने के अंदर पीटने का सामने आया है।

मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पीड़ित महिला को आवश्यक सुरक्षा एवं अन्य वैधानिक कार्यवाही के संबंध में प्रतिवेदन 15 दिन में जवाब मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि लड़की ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी युवक और महिला दोनों ने मिलकर पीड़ित युवती हो अपने घर में बेरहमी से पीटा और तेजाब डालने की धमकी भी दी। घटना 17 नवंबर की दरमियानी रात की है। जब पीड़ित युवती अपनी शिकायत करने के लिये थाने आई तो ओरापी युवक और महिला को भी बुलाया लेकिन पुलिस थाने के भीतर ही ओरापी महिला ने दुबारा पीड़िता युवती की फिर से पिटाई कर दी। पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

छात्रा की संदिग्ध मौत

दूसरा मामला शहर के टी.टी. नगर थाना क्षेत्र में बीते बुधवार को अंजली कॉम्प्लेक्स में रहने वाली एक छात्रा अपने कमरे में बिस्तर पर मृत अवस्था में मिलने का है। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को प्रकरण की जांच कराकर की गई कार्यवाही के संबंध में जवाब भेजने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार छात्रा के गले पर रगड़ के निशान, पैर के नाखून उखड़े एवं चोट के निशान मिले है। पुलिस का कहना है कि शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान नही है, जिससे मामला संदेहस्पद लग रहा है।

सुविचार

जीवन आपके लिए अवसरों को खोलता है, और आप या तो उन्हें भुना लेते हैं या आप उन्हें लेने से डरते हैं।

संपादकीय

रोजगार की सरहदें

एक देश में संघीय ढांचे के बीच सरहदें खींचने का काम दूरगामी तौर पर बेहतर व मान्य नहीं हो सकता। मगर सियासी स्वार्थ साधने की कोशिश में अक्सर राजनीतिक पार्टियां और सरकारें संवैधानिक मर्यादाओं को भूलकर वादे और फैसले कर जाती हैं। यही हरियाणा सरकार ने भी किया तथा उसने कानून बना कर तय कर दिया कि उन सभी निजी कंपनियों, संस्थानों और संस्थाओं को अपने यहां नौकरियों में हरियाणा के युवाओं को पचहत्तर फीसद आरक्षण देना होगा, जिनमें दस से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और उनका वेतन तीस हजार रुपए से कम है। मगर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय ने उस कानून को रद्द कर दिया है। दरअसल, इस आरक्षण का वादा विधानसभा चुनाव के वक्त जननायक जनता पार्टी ने किया था। फिर जब सत्ता गठबंधन में शामिल हुई तो उसने यह कानून भी बना दिया। हर कल्याणकारी सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए। मगर इसके लिए संविधान में दिए गए समानता और जीवन जीने के अधिकार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरों के अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता। जिस तरह राजनीतिक दल पूरे देश में जातीय और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर अपना जनाधार बनाने की कोशिश करते देखे जाते हैं, उसमें हरियाणा सरकार का यह कदम भी नया नहीं कहा जा सकता।मगर यह भी तय है कि ऐसी कोई सरहद नहीं बनाई जा सकती, जिसमें दूसरे इलाकों के लोगों का प्रवेश वर्जित हो जाए। भारत में संघीय व्यवस्था है और इसमें हर नागरिक को संवैधानिक अधिकार है। वह देश के किसी भी हिस्से में जाकर बस भी सकता है और रोजगार के अवसर तलाश सकता है। मगर राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए क्षेत्रीय अस्मिता का हवाला देते हुए कई बार बाहरी लोगों के खिलाफ स्थानीय लोगों को भड़काने का प्रयास करते देखे जा चुके हैं। असम और महाराष्ट्र ज्वलंत उदाहरण हैं।असम में बिहारी मजदूरों पर यह कह कर हमला किया गया और उन्हें वहां से भगाने का प्रयास हुआ था कि उनकी वजह से असम के युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। इसी तर्क पर महाराष्ट्र में भी दूसरे प्रदेशों से जाकर बसे या किसी -रोजगार में लगे लोगों पर हमले किए गए थे। इस संकीर्ण सोच को रोपने का अवसर उन सभी इलाकों में उपलब्ध होता है, जहां उद्योग र के अवसर अधिक हैं। हालांकि बहुत सारी जगहों पर ऐसी विभेदकारी कोशिशें सफल नहीं हो पातीं। हरियाणा में भी उद्योग-धंधे बहुत हैं, जहां दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में आकर लोग काम करते हैं। इस तरह जजपा के लिए हरियाणा के लोगों में यह भाव भरना आसान हो गया कि स्थानीय लोगों का हक बाहरी लोग छीन रहे हैं निजी कंपनियां और संस्था-संस्थान अपनी जरूरत के हिसाब से कौशल आदि का आकलन करते हुए कर्मचारी नियुक्त करते हैं। उसमें पचहत्तर फीसद स्थानीय लोगों को भरने की अनिवार्यता लागू करने से उन्हें कुशल कर्मचारियों के चुनाव में अड़चन आना स्वाभाविक है। इसलिए कंपनियों ने इस कानून के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया था कि इससे उनकी उत्पादकता और कार्य-कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे संविधान के मूल उद्देश्य का हनन तो हो ही रहा था। दलों को सोचना चाहिये कि यदि उनकी सरकारें इसी संकुचित सोच के साथ काम करेंगी तो संघीय ढांचा ही क्षतिग्रस्त होगा। हमारी समावेशी संस्कृति भी खत्म हो जाएगी। रोजगार के लिए योग्यता और कुशलता के बजाय क्षेत्रीयता कोई पैमाना नहीं होना चाहिए बल्कि सरकारों को बिना भेदभाव रोजगार के अवसर पैदा करना चाहिये और अपने युवाओं को रोजगार के लिये दक्ष बनाना चाहियें।

निशाना

बदल रही तस्वीर !

-कृष्णेन्द्र राय

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
ख़बर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज़ है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैग़ाम ।।

आज का इतिहास

- 1941 में 21 नवंबर को यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का हुआ था जन्म।
- 1877 प्रसिद्ध वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने विश्व के सामने पहला फोनोग्राफ पेश किया।
- 1906 चीन ने अफीम के व्यापार पर रोक लगाई।
- 1917 में आज ही के दिन यूक्रेन गणराज्य घोषित हुआ
- 1963 भारत का 'नाइक-अपाचे' नाम का पहला रॉकेट छोड़ा गया।
- 1979 मक्का में काबा मस्जिद पर मुस्लिम उग्रवादियों का अधिकार।
- 2002 बुल्गारिया, इस्तोनिया, लातविया, लिथुआनिया , रोमानिया, स्लोवाकियाऔर स्लेवानिया को नाटो ने संगठन का सदस्य बनने का निमंत्रण दिया।

जलवायु परिवर्तन: पीड़ितों के पुनर्वास के लिए बने सशक्त नीति

पंकज चतुर्वेदी

जलवायु परिवर्तन से उपजे हालात से मानवीय पलायन सदी का नया संकट है। असम का माजुली द्वीप इस त्रासदी का उदाहरण है। उत्तर-पूर्व के सबसे बड़े राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी की तेज धाराओं के बीच स्थित माजुली को दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप कहते हैं। सन? 1951 में यह द्वीप लगभग 1,250 वर्ग किलोमीटर में फैला था, और आबादी 81,000 थी। अगले 60 वर्षों के दौरान, जनसंख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 167,000 हो गई, लेकिन द्वीप दो-तिहाई कम हो गया था। वर्ष 1950 और 2016 के बीच, माजुली के 210 गांवों में से 107 गांव आंशिक रूप से या पूरी तरह से नदी की भेंट चढ़ गए। विशेषज्ञ चेताते हैं कि हिमालय के पिघलते ग्लेशियरों के साथ ब्रह्मपुत्र में तीव्र होते जलप्लावन से 2040 तक माजुली लुप्त हो सकता है। यहां से हर साल हज़ारों लोग पलायन करते हैं।जलवायु परिवर्तन से होते मानव-पलायन की सशक्त बानगी माजुली और राज्य के वे जिले हैं, जहां तेजी से नदियां अपने किनारों को खा रही हैं और खेती पर निर्भर लोग भूमिहीन हो जाते हैं और फिर किसी सस्ते श्रम की भट्ठी में इस्तेमाल होते हैं। दुर्भाग्य है कि हमारे देश में अभी तक जलवायु-पलायन शब्द को लेकर कोई नीति बनी नहीं। देश के सबसे बड़े मैंग्रोव और रॉयल बंगाल टाइगर के पर्यावास के लिए मशहूर सुंदरवन के सिमटने और उसका असर गंगा नदी के समुद्र में मिलन स्थल- गंगा-सागर तक पड़ने की सबसे भयानक त्रासदी है कई हज़ार साल से बसे लोगों का अपना घर-खेत छोड़ने पर मजबूर होना। सुंदरवन का लोहाचारा द्वीप 1991 में गायब हो गया, जबकि बंगाल की खाड़ी से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में घोरमारा में पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व क्षरण देखा गया है। यह 26 वर्ग किलोमीटर से घटकर लगभग 6.7 वर्ग किलोमीटर रह गया है। पिछले चार दशकों के दौरान कटाव तेजी से हुआ है, वर्ष 2011 में यहां की आबादी 40,000 के आसपास थी, अब केवल 5,193 रह गई है।

हमारे तटीय क्षेत्र, जहां लगभग 17 करोड़ लोग रहते हैं, बदलती जलवायु की मार में सबसे आगे हैं। यहां समुद्र जलस्तर में वृद्धि, कटाव, उष्णकटिबंधीय तूफान और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल की खाड़ी में अभी तक का सबसे शक्तिशाली तूफान 'चक्रवात अम्फान' आया, जिससे कई लाख लोगों को घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सबसे अधिक खतरनाक कटाव समुद्री किनारों का है, जो गांव के गांव उदरस्थ कर रहा है, साथ ही जलस्तर बढ़ने से महानगरों की तरफ भी डूबने की चेतावनियां सशक्त हो रही हैं।

दरअसल, जलवायु परिवर्तन का कुप्रभाव हमारे यहां चरम मौसम, चक्रवातों की बढ़ती संख्या, बिजली गिरने, तेज लू और इससे जुड़े खेती में बदलाव, आवास-भोजन जैसी दिक्कतों के रूप में सामने आ रहा है। चरम

मौसम से पलायन का सबसे अधिक खमियाजा महिला और बच्चों को भोगना होता है। भारत में बाढ़ और तूफान ने बीते छह सालों में 67 लाख बच्चों को बेघर कर दिया है। ये बच्चे स्कूल छोड़ने के लिए भी मजबूर हुए हैं। यूनिसेफ तथा इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर के वर्ष 2016 से 2021 तक किए गए अध्ययन से यह खुलासा हुआ है। भारत, चीन तथा फिलीपींस के 2.23 करोड़ बच्चे विस्थापित हुए हैं। इन देशों में बच्चों के बेघर होने के पीछे भौगोलिक स्थिति जैसे मानसून की बारिश, चक्रवात और मौसम की बढ़ती घटनाएं भी हैं। भारत में बाढ़ के कारण 39 लाख, तूफान के कारण 28 लाख तथा सूखे के कारण 20 हजार बच्चे विस्थापित हुए हैं।

भारत में, 2011 की जनगणना के अनुसार, लगभग 45 करोड़ लोग प्रवासित हुए, जिनमें से 64 फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्र से थे। प्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कम आय वाले राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार से है। ये दोनों राज्य दक्षिण एशिया के सबसे अधिक खेती वाले गांगेय क्षेत्र से आते हैं। घर छोड़कर जाने वाले कुछ लोग तो महज थोड़े दिनों के लिए काम करने गए, लेकिन अधिकांश का पलायन स्थायी हुआ। यह आबादी मुख्य रूप से हाशिए पर रहने वालों की थी जो कृषि पर निर्भर थे। समझना होगा गांगेय क्षेत्र भारत का सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां लगभग 64 करोड़ लोग गरीबी में रहते हैं। पलायन की गति तेज हो गई है और यह प्रवृत्ति भविष्य में भी जारी रहेगी। बढ़ता तापमान कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे सीमांत कृषि पर निर्भर ग्रामीण आबादी की असुरक्षा बढ़ जाती है। इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन ऐसे गरीब लोगों के लिए विकल्प की तलाश में घर-गांव छोड़ने के लिए मजबूर करता है। जब रोजगार के लिए महानगरों कि तरफ पलायन बढ़ता है तो यह पहले से ही सघन आबादी वाले इलाकों में स्वास्थ्य, साफ़ पानी, परिवहन आदि की नए तरीके की दिक्कतों को उपजाता है। दिल्ली जैसे शहर बीते कई सालों से भीषण गर्मी और लू के साक्षी रहे हैं। लू लगने और उसके बाद बरसात में मच्छरजनित रोगों से बेहद गरीब व शरणार्थी लोग बेहाल होते हैं।

वैसे तो लोग बेहतर आर्थिक और सामाजिक अवसरों के लिए लंबे समय से देश के भीतर आते-जाते रहे हैं। भारत के 2017 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2011 और 2016 के बीच अंतर्राज्यीय पलायन सालाना नौ करोड़ के करीब था। जबकि 2011 की जनगणना में आंतरिक प्रवासियों की कुल संख्या 13.9 करोड़ या आबादी का लगभग 10 प्रतिशत दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन से उपजा पलायन मज़बूरी में हुआ सामाजिक विग्रह है।

दुर्भाग्य है कि अभी हमारे यहां जलवायु-संबंधी खतरों के कारण अपने घरों से विस्थापितों के लिए कोई माकूल योजना नहीं है। 'पर्यावरणीय शरणार्थी', 'जलवायु शरणार्थी', 'जलवायु विस्थापित' और 'पर्यावरण विस्थापित' जैसे शब्द अभी सरकारी दस्तावेजों में आये नहीं हैं। गंभीरता से देखें तो देश की आज़ादी के सौ साल होने पर हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती और त्रासदी होगी अपनी जड़ों से उखड़कर मज़बूरी में किसी अनजान स्थान पर जीने की जद्दोजहद करने वाले कई करोड़ लोग, जिनके पास अपनी लोक, परम्परा, आस्था के कोई अतीत-निशान नहीं होंगे। **साभार**

डीपफेक पर नियंत्रण के लिए सख्ती जरूरी

ललित गर्ग

डीपफेक व्यक्तिगत जीवन से आगे बढ़ कर अब राजनीतिक एवं वैश्विक सन्दर्भों के लिये एक गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बौद्धिकता (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई) तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है, एआइ के जरिए डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। गलत सूचनाएं, ऑडियो-वीडियो और तस्वीरें फैलाने वालों के हाथों में एआइ ने खतरनाक उस्तरा थमा दिया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राजनीतिक मुद्दों के साथ व्यक्तिगत छवि को घूमिल करने का यह हथियार अनेक चिन्ताओं को बढ़ा रहा है और बड़े संकट का सबब बनता जा रहा है। डीपफेक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी नहीं बक्शा है, उन्हें भी परेशान कर दिया है। उनका एक वीडियो इन दिनों यू-ट्यूब सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खूब चर्चित हो रहा है, इसमें उनको गरबा करते दिखाया गया है। ये पूरा वीडियो डीपफेक नाम की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार किया गया है। इसी तरह देश एवं विदेश की अनेक हस्तियों के अनेक अश्लील एवं राजनीतिक डीपफेक व्यापक स्तर पर प्रसारित हो रहे हैं।

डीपफेक एक ऐसी तकनीक है जिसमे आप कृत्रिम बौद्धिकता की मदद एवं तकनीक से वीडियो, तस्वीरों और ऑडियो में हेरफेर कर सकते है। इस तकनीक की मदद से आप किसी दूसरे व्यक्ति की फ़ोटो या वीडियो पर किसी और का चेहरा लगाकर उसे पूरी तरह से बदल भी सकते है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल लगभग 96 प्रतिशत के आसपास अश्लील सामग्री बनाने में होता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल अपने मर चुके रिश्तेदारों की तस्वीरों को ऐनिमेट करने में भी करते हैं लेकिन अब डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल देश एवं विदेश की राजनीति में भी होने लगा है। राजनीतिक पार्टियाँ अपने चुनावी प्रचार में इस तकनीक का जमकर इस्तेमाल कर रही है। आम जनता को गुमराह करने एवं बड़ी हस्तियों की छवि एवं प्रतिष्ठा को धूमिल करने में अब इस तकनीक का व्यापक उपयोग होने लगा है। अनेक फिल्मी हस्तियों विशेषतः हीराइनों की अविश्वसनीय अश्लील एवं नग्न वीडियो बड़ी संख्या में आनलाइन आसानी से देखी जा सकती है। पब्लिक प्लैटफॉर्म्स पर मौजूद फोटोज की मदद से आसानी से डीपफेक विडियो बनाया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब कोई नौसिखिया भी आसानी से फर्जी विडियो बनाकर सच और झूठ का फर्क मिटा सकता है, किसी भी विडियो पर झट से भरोसा ना करें क्योंकि डीपफेक विडियोज से घिरी वर्चुअल दुनिया में आंखों देखा सबकुछ हमेशा सच नहीं होता।

देश-विदेश में कई प्रतिष्ठित हस्तियां डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। कई विदेशी हस्तियों के भी डीपफेक वीडियो सामने आ चुके हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के डीपफेक वीडियो में तो वे रूस से लड़ रही अपनी सेना को सरेंडर करने के लिए कह रहे हैं। इजरायल-हमास युद्ध के भी कई डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डीपफेक को देश के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बता इसके खिलाफ जनता को शिक्षित एवं सावधान करने पर जोर दिया है। भारत के लिये यह बड़ा खतरा इसलिये भी है कि भारत विविधता वाला देश है, यहां की जनता छोटी-छोटी बातों पर भावुक एवं भड़क जाती है। असली एवं नकली यानी डीपफेक का पता लगाने के लिये सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपेक्षा है। अगर वीडियो में आँख और नाक कहीं और जा रही है या वीडियो में पलक नहीं झपकाई गई है तो समझ जाइए यह डीपफेक कंटेंट है। कंटेंट की कलरिंग को भी देखकर पता लग सकता है कि तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ हुई है। ढेरों चर्चित महिला हस्तियों एवं सिने कलाकारों के चेहरे डीपफेक टेक की मदद से पॉर्न वीडियोज पर लगाकर उन्हें ऑनलाइन शेयर किया जा रहा है। पॉप्युलर अमेरिकन अडल्ट साइट की ट्रेंडिंग टैग्स रिपोर्ट दिखाती है कि ऐसे वीडियोज पिछले कुछ महीने में तेजी से चर्चित हुए हैं और इन्हें व्यापक रूप में सर्च किया जा रहा है या देखा जा रहा है। इस टेक से किसी का फेक न्यूड वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया जा सकता है और ऐसे मामले सामने आए भी हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे यह टेक्नॉलजी पॉप्युलर होगी, इसका गलत इस्तेमाल और ऐसे क्राइम भी बढ़ते जाएंगे।

कृत्रिम बुद्धि, कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो मशीनों और सॉफ्टवेयर को बुद्धि के साथ विकसित करता है। 1955 में जॉन मैकार्थी ने इसको कृत्रिम बुद्धि का नाम दिया और उसके बारे में 'यह विज्ञान और इंजीनियरिंग के बुद्धिमान मशीनें बनाने के' के रूप परिभाषित किया। कृत्रिम बुद्धि अनुसंधान के लक्ष्यों में तर्क, ज्ञान की योजना, सीखने, धारणा और वस्तुओं में हेरफेर करने की क्षमता, आदि शामिल हैं। वर्तमान में, इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सांख्यिकीय विधियों, कम्प्यूटेशनल बुद्धि और पारंपरिक खुफिया शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धि का दावा इतना है कि मानव की बुद्धि का एक केंद्रीय संपत्ति एक मशीन द्वारा अनुकरण कर सकता है। बिजली के बल्ब और मूवी कैमरे के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने कहा था कि हर नई तकनीक सुविधाओं के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी लाती है। नित नई तकनीक के दौर से गुजर रही दुनिया में उनका कथन प्रासंगिक बना हुआ है। कृत्रिम बौद्धिकता तकनीक के आगमन ने अगर सुविधाओं के नए रास्ते खोले हैं तो दुनियाभर में चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। इस तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर शुरू हो चुका है। किसी भी बात या घटना के सच होने का सबसे बड़ा सबूत उसके किसी विडियो को माना जाता रहा है लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। आंखों देखी पर और किसी भी तरह के डिजिटल फोटो या विडियो पर भरोसा नहीं किया जा सकता। डीपफेक टेक्नॉलजी की मदद से ऐसे वीडियो बनाए जा सकते हैं कि बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स भी गच्चा खा जाएं। सामान्य इंटरनेट यूजर शायद ही समझ पाए कि विडियो डीपफेक है और उसमें दिखने वाला शख्स कोई और है। यह टेक्नॉलजी वीडियोज के साथ बिल्कुल वैसे ही काम करती है, जैसा फोटो के लिए फोटोशॉप करता है।

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, यह वीडियो फेक (डीपफेक) है। दरअसल इस वीडियो को लेकर मेगा स्टार अमिताभ बच्चन ने भी चिंता जताई है। इस डीपफेक वीडियो पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस में मामला दर्ज कराया है। इस मामले में एक गिरफ्तारी भी हो चुकी है। अब काजोल का भी डीपफेक सोशल मीडिया पर आ गया है। इसमें उनको कपड़े बदलते दिखाया गया है। इसमें ओरिजनल वीडियो ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोजी ब्रीन का है। उन्होंने ये वीडियो टिकटॉक पर 'गेट रेडी विद मी' सीरीज के लिए बनाया था। भारत में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग रोकने और फर्जी वीडियो की पहचान के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी विकसित करने की जरूरत है। चिंता की बात है कि सोशल मीडिया मंचों और टेक कंपनियों ने डीपफेक वीडियो पर अंकुश के लिए कोई बड़ी पहल नहीं की है। लेकिन भारत सरकार इस मुद्दे पर इसकी घातकता को देखते हुए गंभीर है। सरकार इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले सभी डिजिटल नागरिक की सुरक्षा और भरोसे को सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचनाओं, डीपफेक, अन्य अवांछित सामग्री की पहचान कर 36 घंटे के अंदर उन्हें हटाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ कह दिया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अगर डीपफेक कंटेंट को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं तो उन्हें मिलने वाले संरक्षण को वापस ले लिया जाएगा। कई देशों की सरकारें डीपफेक के नियमन की तैयारी में हैं। कुछ अमरीकी राज्यों में बगैर सहमति डीपफेक बनाने को अपराध घोषित किया जा चुका है। यूरोपीय देशों में भी कानून बनाने की तैयारी चल रही है। सिर्फ कानून बनाने से समस्या से पार पाना संदिग्ध है। जरूरत ऐसे तंत्र की है, जो डीपफेक की सतत निगरानी रख अवांछित सामग्री फैलाने के सभी रास्ते बंद रखे।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

कलेक्टर ने अधिकारियों को सौपे दायित्व

25 से 28 नवंबर तक लगेगा बांद्राभान का मेला

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर 25 नवंबर से 28 नवंबर तक तवा और नर्मदा नदी के संगम पर बांद्राभान का मेला आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट में मेले की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम को निर्देश दिए कि बांद्राभान मेले के लिए बस, मिनी बस, ऑटो सहित अन्य वाहनों के यात्री किराए का शीघ्र निर्धारण करें। उन्होंने नगर पालिका नर्मदापुरम को मेला स्थल पर दो फायर ब्रिगेड, शुद्ध पेयजल एवं चलित शौचालय की व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेला स्थल पर नियमित साफ सफाई की जाए। साफ सफाई के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएं। उन्होंने माइनिंग अधिकारी को ले आउट डालने का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने मेला स्थल पर व्यवस्थित मार्किंग कर बैरीग्रेडिंग किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला स्थल पर आने जाने वाले मार्ग पर आवश्यक मरम्मत एवं झाड़यिां को हटाने की कार्यवाही भी शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि मेला अवधि के दौरान जनपद, होमगार्ड एवं पुलिस के एक संयुक्त कंट्रोल रूम का संचालन किया जाए। उन्होंने मेला स्थल पर वॉच टावर भी लगाने के निर्देश दिए ताकि मेला स्थल पर स्नान करने वाले लोगों की सतत निगरानी की जा सके। उन्होंने अनाउंसमेंट सिस्टम और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मेला स्थल पर चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने एमपीईबी को निर्देशित किया कि मेला अवधि के दौरान विद्युत का अस्थाई कनेक्शन दिया जाए। बताया गया कि मेला अवधि के दौरान तवा बांध से पानी नहीं छोड़ा जाएगा। मेले के दौरान मेला क्षेत्र में नाव का संचालन पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने आवश्यक टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना दल गठित कर उनको प्रशिक्षण दिया जाएगा

मतगणना की आवश्यक तैयारियां समयसीमा में पूर्ण की जाएं : कलेक्टर

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन ने तहत 3 दिसंबर को आयोजित होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां समयसीमा में पूर्ण की जाएं। काउंटिंग टीम गठित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि संभागीय आईटीआई नर्मदापुरम को मतगणना केंद्र बनाया गया है। केंद्र पर मतगणना कक्ष सहित अन्य सभी कक्षों में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

आगामी दो दिनों में धान उपार्जन केन्द्रों के प्रस्ताव भेजें

जिले में धान उपार्जन 1 दिसंबर को प्रारंभ हो जायेगा। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को धान उपार्जन केन्द्रों के प्रस्ताव आगामी 2 दिवसों में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के धान पंजीयन के अनुपात मे केंद्रो का निर्धारण किया जाएं। उन्होंने केंद्रो के निर्धारण में खरीफ उपार्जन नीति का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान पंजीयन का शेष सत्यापन भी शीघ्र पूर्ण करने के लिए सिवनीमालवा तहसीलदार को निर्देशित किया।

खाद का सुचारू रूप से वितरण कराएं

बैठक में कलेक्टर ने खाद की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की। उन्होंने जिले में उपलब्ध खाद का सुचारू रूप से किसानों को वितरण कराने के निर्देश दिए। बताया गया कि जिले में यूरिया और कॉम्प्लेक्स खाद की पर्याप्त उपलब्धता हैं। आगामी दिनों 2 रेक यूरिया इटारसी एवं एक रैक यूरिया पिपरिया को प्राप्त होगी। कलेक्टर श्री सिंह ने नहरों से सिंचाई और बिजली की आपूर्ति के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

लंबित शासकीय कार्यों के निराकरण में गति लाएं

कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आचार संहिता के अंतर्गत अनुमत्य शासकीय कार्यों को पूरा करने में गति लाएं। उन्होंने जनसामान्य से प्राप्त शिकायतों का भी त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होनें सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए भी सभी एसडीएम और तहसीलदार को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित दिनों पर सभी एसडीएम, तहसीलदार अपने अपने राजस्व न्यायालय का संचालन कर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में नगर पालिका नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि घाटों पर व्यवस्थाओं में सुधार करें। वहां साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने नर्मदापुरम नगर अंतर्गत नेहरू पार्क, वरिष्ठजन पार्क सहित अन्य पार्कों में टीम नियोजित कर नियमित साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शांतिपूर्ण और सफल मतदान संपन्न कराने के लिए अधिकारी कर्मचारी को दी बधाई

बैठक के प्रारम्भ में कलेक्टर श्री सिंह ने विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत मतदान शांतिपूर्ण और निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों कर्मचारियों को बेहतर कार्य के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

मतगणना के लिए हरेक विस में एक-एक सामान्य प्रेक्षक नियुक्त होंगे

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर भार्गव ने सोमवार को जिला अधिकारियों व खण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर उन सबको निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम दिशा निर्देशो की जानकारी देते हुए बताया कि आयोग द्वारा जिले की पांचो विधानसभाओं की मतगणना के लिए एक-एक सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किए जाएंगे जिसमें से पूर्व के तीन सामान्य प्रेक्षकों के दो नए प्रेक्षक जिले में तीस नवम्बर तक आएंगे। कलेक्टर भार्गव ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतगणना अति महत्वपूर्ण अंग है अतः समुचित मतगणना कार्य पूर्ण पारदर्शिता, सजगता के साथ पूरा हो इसके लिए मतगणनाकर्मियों के लिए पृथक से प्रशिक्षित भी किया जाएगा। कलेक्टर भार्गव ने एनआईसी के डीआईओ श्री एमएल अहिरवार को निर्देश दिए है कि मतगणना कार्य में 45 आयु वर्ग से अधिक के कोई भी कर्मचारी और किसी भी महिलाकर्मचारी की ड्यूटी नहीं लगाई जाए कि व्यवस्था क्रियान्वित करें। कलेक्टर भार्गव ने बताया कि मतगणना के हरेक राउण्डवार निर्धारित प्रपत्र में मतगणना ऐजेन्टो से हस्ताक्षर कराएं जाएंगे कि हर एक टेबिल पर सम्पन्न हुई मतगणना के संबंध में उन्होंने बताया कि सबसे पहले डाकमत पत्रों की गणना कार्य किया जाएगा।

डेंगू नियंत्रण के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश

नर्मदपुरम, दोपहर मेट्रो

स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू रोग पर नियंत्रण और रोकथाम के लिये संचालित गतिविधियों की विस्तार से जनसमुदाय की सहभागिता तथा जागरूकता के लिये व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गए। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि डेंगू की पर्याप्त जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध है और कहा कि डेंगू के लक्षण आने पर जन-समुदाय को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर की सलाह अनुसार जांच एवं उपचार के लिए समझाइश दिया जाना आवश्यक है।

विभाग ने कहा कि डेंगू बीमारी डेन वायरस के कारण से होती है। संक्रमित मादा एडीज मच्छर द्वारा मनुष्यों को काटने से फैलता है। डेंगू से बचाव के लिए जरूरी है कि मच्छर के काटने से अपना बचाव करें। जन-समुदाय के लिये सुझाव है कि बुखार एवं डेंगू के लक्षण आने पर स्वयं उपचार न करें, डॉक्टर की सलाह अनुसार ही उपचार लें और पर्याप्त मात्रा में आराम एवं तरल पदार्थ का सेवन करें। घरों के आसपास जल का जमाव नहीं होने दें। मच्छर (एडीज मच्छर) के प्रजनन को नियंत्रित रखें, सप्ताह में एक बार अनिवार्यतः समस्त जल के पात्र/कंटेनर इत्यादि की जांच कर उनकी साफ-सफाई रखना आवश्यक है, जिससे मच्छरजन्य परिस्थिति को समाप्त किया जा सके। सावधानी रखें सुरक्षित रहें।

कलेक्टर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

विदिशा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर भार्गव और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने आज संयुक्त रूप से शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में मतगणना के लिए किए जाने वाले प्रबंधो की तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। कलेक्टर भार्गव ने पांचो विधानसभाओं की मतगणना के दौरान अभ्यर्थियों तथा उनके मतगणना अभिकर्ता तथा ईव्हीएम लाने ले जाने के लिए नियुक्तकर्मी तथा मीडिया के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा कर कार्यवाहियों को क्रियान्वित करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर भार्गव ने बताया कि मीडियाकर्मियों को शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी के मुख्य प्रवेश द्वार के बांयी ओर तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे जिसमें मीडियाकर्मियो को बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ टीव्ही लगाना तथा नेट कनेक्शन की सहूलियते प्रदाय की जाएगी वहीं मतगणना तिथि तीन दिसम्बर को मीडियाकर्मियों को मतगणना कक्षो में नियत स्थल तक प्रवेश के लिए पृथक-पृथक दल गठित किए जाएंगे जो मतगणना परिसर का भ्रमण कराकर मीडियाकर्मियों को वापिस मीडिया प्रकोष्ठ में लाएंगे।

मेट्रो एंकर

गौ माता को सजाकर हार माला पहनाकर किया पूजन

गोपाष्टमी पर्व पर विहिप ने गौठान पर किया गौ पूजन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

गोपाष्टमी पर्व पर विश्व हिंदू परिषद ने नगर की सभी गौठानो पर कार्यकर्ताओ ने जाकर गौ माता का नगर वासियों के साथ मिलकर गौ पूजन किया एवं गौ माता की सेवा का संकल्प दिलाया गया। उक्त जानकारी देते हुए विश्व हिंदू परिषद ग्रामीण प्रखंड उपाध्यक्ष कम्मू गौर ने बताया की सनातन संस्कृति में गोपाष्टमी का बड़ा महत्व है इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर के मार्गदर्शन एवं बजरंग दल शोर्य जागरण यात्रा जिला प्रभारी सतीश बकोरिया नगर अध्यक्ष डा सौरभ रघुवंशी की उपस्थिति में नगर की पानी की टंकी के पास स्थित योगेश पाल की गौ ठान पर गौ माता को सजाकर तिलक कर हार माला पहनाकर दीप प्रज्वलित कर घंटे घड़ियाल बजाकर मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं नगर वासियों ने पूजा अर्चना की एवं सभी को गौ माता की सेवा का संकल्प दिलाया गया। कार्यकर्ता जय गौ माता गाय की रक्षा कोन करेगा हम करेंगे हम करेंगे देश की रक्षा कोन करेगा

हम करेंगे हम करेंगे भारत माता की जय गौ माता की जय आदि उद्घोष कर रहे थे। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद विभाग मंत्री शिव राठौर ने कहा कि यह देश राम और गोपाल का हे गोपाल की धरती पर हिंदू समाज गौ को माता मानता है वही वह पूज्यनीय हे इस देश की अर्थ व्यवस्था का मुख्य आधार गौ माता हुआ करती थी दुर्भाग्य से आधुनिकता मशीनी करण ने गौ माता को सड़को पर घूमने के लिए मजबूर कर दिया हम सभी को संकल्प लेना होगा की हम सभी गौ माता की रक्षा और सेवा करेंगे। लगभग 5000 वर्ष पहले महाभारत काल में जब गौ माता पर कष्ट आया तो प्रतिपदा एकम तिथि से कार्तिक शुक्ल की सप्तमी तिथि तक भगवान श्री कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गौ वर्धन उठाकर गौ माता की रक्षा की थी और अष्टमी को भगवान इंद्र देव ने भगवान श्री कृष्ण से छमा याचना की तभी से अष्टमी को गौ पष्टमी को पर्व के रुप में मनाता है। कार्यक्रम का संचालन मंगलेश पाल ने किया। विश्व हिंदू परिषद गोपाष्टमी पर्व पर आयोजित गौ पूजन कार्यक्रम में प्रमुख रुप से विभाग मंत्री शिव राठौर बजरंग दल शोर्य जागरण यात्रा जिला प्रभारी सतीश बकोरिया नगर अध्यक्ष डा सौरभ रघुवंशी भारतीय जनता युवा मोर्चा वरिष्ट नेता विक्रम सूर्यवंशी गायत्री मंदिर के पूज्य पुरोहित बजरंग दल नगर संयोजक भुरू बग्गन सह संयोजक राहुल यादव जितेंद्र यादव राकेश केवट कम्मू गौर प्रेम सिंह पाल राजेश पाल रमन वानखेड़े मनना केवट वीरू गन गोरे मिथुन पाल लक्की पाल उत्तम गोलू पाल कमल लोवंशी शुभम पाल सागर विश्वकर्मा किरण तायड़े अभय बाथब देव बाथब प्रदीप रघुवंशी के साथ ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण नागरिक जन उपस्थित थे।

10 दिनों के अवकाश के बाद खुली कृषि उपज मंडी, 6000 से अधिक बोरों की आवक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

10 दिनों से कृषि उपज मंडी दीपावली विधानसभा चुनाव के चलते। अवकाश चल रहा था। जिसके चलते बाजार की रौनक भी गायब हो गई थी मंडी बाईपास रोड से लेकर छत्री मार्ग पर जाम की समस्या भी नहीं हो रही थी पर लंबे अवकाश के बाद सोमवार को कृषि उपज मंडी में जैसे ही कामकाज प्रारंभ हुआ तो मंडी बाईपास रोड से लेकर, बस स्टैंड लिंक रोड छतरी चौराहे आदि मार्गों पर दिन भर जाम के कारण आम से लेकर खास को परेशानियों का सामना करना पड़ा दूसरी और मंडी बाईपास रोड से लेकर लिंक रोड जिसका निर्माण कार्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। इस मार्ग पर तो जाम के कारण दिनभर वाहन चालक हैरान परेशान होते रहे पर इनकी समस्या को दूर करने के लिए यातायात पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया। पिछले कुछ दिनों से यातायात पुलिस पूरे शहर से नदारत दिखाई दे रही है। इसके बाद लोगों को कहना है कि यातायात पुलिस बाजार और शहर में अपनी जिम्मेदारी गंभीरता के साथ नहीं निभा रही है ना ही इनको नगर वासियों की समस्या से कोई लेना देना है । ऊपर से दबाव होने के कारण दीपावली के त्यौहार और चुनाव के समय जरूर इनकी भूमिका नजर आ रही थी पर चुनाव संपन्न होते ही यातायात पुलिस ने तो इस और ध्यान देना ही बंद कर दिया इससे ऐसा लग रहा है कि शहर से यातायात पुलिस पूरी तरह से लापता हो गई हो तभी तो कहीं दिखाई नहीं दे रही है। नहीं तो पहले कभी-कभी चौक चौराहा पर खड़े होकर दोपहिया वाहन चालकों के चलने वाले की कार्रवाई भी यातायात पुलिस के द्वारा की जाती बाजार में भी यातायात पुलिस कर्मी नजर आ जाते थे ।मंडी में जाम की समस्या को व्यवस्थित करने के लिए कभी-कभार यातायात पुलिस कर्मी मौजूद रहकर काम करते हुए नजर आते थे । इस बार यहां भी इनकी उपस्थिति दिखाई नहीं दे रही है, इस वजह से समस्या एक बार फिर बिगड़ने लगी है। यातायात पुलिसकर्मियों को पहले से ही जानकारी थी कि लंबे अवकाश के बाद कृषि उपज मंडी में कामकाज होगा तो बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर बेचने मंडी में आएंगे तो हालत भी जाम के मंडी बाईपास रोड लिंक रोड पर जगह-जगह उत्पन्न होंगे इसके बाद भी यहां मौजूद रहना उचित नहीं समझा इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कितनी लापरवाही से यातायात पुलिस प्रशासन नगर में काम कर रहा है। जाम की परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए भी यातायात पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी निभाना उचित नहीं समझा जिसको देखते हुए ऐसा लग रहा है इन्हें शहर वासियों की समस्या से कोई लेना-देना नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि बाईपास मार्गों पर खड़े होकर बड़े बहन चालकों को रोककर जांच पड़ताल के नाम पर वसूली करने का काम भी किया जाता है। इस तरह के आरोप कई बार यातायात पुलिस कर्मियों पर लगा चुके हैं। शिकायतें हो चुकी हैं, अधिकारियों की डांट फटकार के बाद कुछ दिनों तक हालात सुधारते हैं फिर हालत जस के तस हो जाते हैं।

यातायात पुलिस फिर शहर से गायब, जाम से जनता हो रही परेशान

चने के दामों में तेजी

छुट्टियों के बाद मंडी में कामकाज प्रारंभ हो गया सोमवार को 6000 से अधिक बोरो की आवक दर्ज हुई इसमें चने के दामों में वृद्धि भी देखने को मिल रहा है ।लंबे समय से चना 5000 से नीचे बिक रहा था अब इसके दाम 6000 के करीब होने वाला है ,कई किसान पिछले तीन-चार सालों से चने के दाम बढ़ाने की उम्मीद लगाए बैठे थे । अधिकांश किसानों ने दम नहीं बढ़ने पर सस्ते बेंच दिऐ अब चने के दाम बढ़ने लगे हैं। भाव इस तरह रहे, गेहूं 2300 - 3505 चना 5000-5820 मसूर 5500-6055 सोयाबीन 3800-5128 उड़द 5000-7415 मक्का 1850-2040 रुपए प्रति कुंतल भाव रहे।

मतदाताओं ने तो अपना मत ईवीएम में कैद कर दिया, मगर...

दोनों प्रमुख दलों में बत्ती देने वालों की तीन दिसंबर को खुलेगी पोल

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के साथ ही इस बार रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग होने से जीत हार का सही आंकड़ा लगाना भी मुश्किल नजर आ रहा है । बस एक बात की चर्चा जरूर इन दोनों हो रही है कि जो भी जीते का काम वोटों से ही उसकी जीत होगी कोई भी चुनाव जीत सकता है गारंटी से कोई किसी एक की नहीं कह पा रहा है।

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भाजपा, कांग्रेस के समर्थक अपनी, अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। मैदान में भाजपा से उमाकांत शर्मा तो कांग्रेस पार्टी से गगनेंद्र रघुवंशी प्रत्याशी हैं दोनों के बीच में ही कांटे का मुकाबला बताया जा सकता है किसी भी करवट ऊंट बैठ सकता है इस को लेकर चर्चाएं भी हो रही है वहीं पल भर में। दूसरी और इन दोनों एक बात की चर्चा जरूर जोर-जोर से हो रही है कि दोनों ही दलों में अंदर ही अंदर बत्ती देने वालों की लंबी लिस्ट तैयार हो रही है । जिसके लिए दोनों दलों ने अपने-अपने स्तर से इस तरह से पार्टी के द्वारा बनाए गए प्रत्याशी के लिए गड्ढा खोदने वालों की लोगों को सूची तैयार करवाई जा रही है, इसके अलावा इस बात की चर्चा भी हो रही है कि चुनाव जो भी जीतेगा उसके सामने बत्ती देने वाले सबसे पहले बड़ी माला और मिठाई लेकर सबसे पहले पहुंचेंगे । भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी को अंदर ही अंदर नुकसान पहुंचाने के लिए किस-किस ने काम किया है उसको लेकर चर्चा की जा रही है कि किस-किस नेता ने अपने-अपने क्षेत्र में समर्पित भाव से कामना करते हुए बत्ती देने का काम किया है। उसका खुलासा भी 3 दिसंबर को हो जाएगा जिस नेता ने काम किया होगा उसकी पोलिंग जीतेंगे और जिसने क्रोध में काम किया होगा उसकी पोलिंग हरी मिलेगी कुछ लोग तो ऐसे नेताओं के नाम भी आमतौर पर ले रहे हैं कि इन्होंने अंदर ही अंदर पार्टी को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। रूठो को मनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास किए गए भारतीय जनता पार्टी से तो कई प्रदेशों के विधायक और संगठन के बड़े-बड़े नेताओं ने दस्तक देकर रूठो को मनाने का काम किया है। इनकी बात कितनी हद तक इन बत्ती देने वाले नेताओं ने मानी है इसका खुलासा भी हो जाएगा।

कांग्रेसियों की बढ़ने लगी बेचैनी

कांग्रेस पार्टी से विधानसभा के लिए 35 से अधिक दावेदार सक्रिय होकर टिकट की दावेदारी अपने-अपने स्तर कर रहे थे। इनमें कई नेता तो ऐसे दावेदार भी थे जिनकी पकड़ क्षेत्र में नहीं थी फिर भी दावेदार बन रहे थे। कुछ ऐसे नेता ऐसे भी शामिल है जो पार्षद का चुनाव भी नहीं जीत पाए उनके साथ में 10 लोग नहीं होते हैं। वहां भी बड़ी-बड़ी बातें करके विधायक का चुनाव लड़ने का सपना देख रहे थे। कांग्रेस पार्टी के द्वारा जैसे उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी प्रत्याशी बताया गया तो अधिकांश दावेदार जो टिकट मांग रहे थे। मैदान से गायब हो गए इसके बाद इन नेताओं को बनाने के लिए प्रत्याशी के द्वारा सभी जतन किए गए। वही लटेरी में हुई सभा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंच से संदेश देते हुए कहा था कि मैं 3 दिसंबर को एक-एक पोलिंग की जानकारी लेकर देखेगा किस-किस नेता ने अपनी अपनी पोलिंग पर कितनी गंभीरता से काम किया है जिसकी पोलिंग जीतेगी वहां का नेता होगा इसके बाद भी कई बत्ती देने वाले नेताओं ने उनकी बात को गंभीरता से ना लेते हुए चुनाव में अच्छे मन से काम नहीं किया अब देखना है कि अंदर ही अंदर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई होगी या नहीं उनके मन में भी इस बात को लेकर चर्चा हो रही है।

बाजार में भी चर्चा का विषय

विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को अंदर में नुकसान पहुंचाने का कार्य कई नेताओं के द्वारा किया गया है। जिसको लेकर इन दिनों चर्चा भी बाजार में जोर-जोर से हो रही है । जन चर्चा का विषय बना है कि अंदर ही अंदर बात हो रही है कि इस नेता ने इस पार्टी के लिए काम नहीं किया उस नेता उस पार्टी के लिए काम नहीं किया। वहीं कांग्रेस में चर्चा हो रही है कि जितने दावेदार टिकट मांगा है तो उनमें से अधिकांश ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिए काम नहीं किया। इसी तरह की स्थिति भाजपा में देखने को मिली है इसको लेकर चर्चाएं जरूर इस समय गर्म है।

अमला नवमी पर आज निकल रही विशाल परिक्रमा यात्रा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पंचकुइयों कार्तिक घाट पर कार्तिक महोत्सव बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह शाम दीपदान गंगा आरती वहीं प्रातः स्नान के बाद यहां पर पंडित नालनिकांत शर्मा के द्वारा कार्तिक मास की कथा का रसपान भी श्रोताओं को कराया जा रहा है। आज अमला नवमी पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल परिक्रमा यात्रा पंचकुइयों घाट से सुबह 9 बजे प्रारंभ होगी इसके बाद यात्रा पूरे नगर की परिक्रमा करते हुए वापस कार्तिक घाट पर पहुंचकर संपन्न होगी जहां पर आरती के उपरांत प्रसादी का वितरण किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को परिक्रमा यात्रा में शामिल होने का अनुरोध किया है।

शहर में मनाई गई गोपाष्टमी, गायों का किया पूजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को लटेरी रोड स्थित श्री कृष्ण गौशाला में गोपाष्टमी पर गायों की पूजन की गई। जिसमें सबसे पहले सभी गायों को आकर्षित से सजाया गया था फिर विधायक उमाकांत शर्मा ने गौ ग्रास खिलाकर विधि विधान से गौ माता की पूजन की फिर दंडवत होकर प्रणाम किया।

मेट्रो एंकर | **मंदिर में हो रही कथा में बरस रहा है रस**

कार्तिक मास की कथा ग्रहण करने और सुनने से भगवान की कृपा होती है: *नवनीत महाराज*

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शहर के प्रसिद्ध मदन मोहन सरकार मंदिर पर बड़े उत्साह के साथ कार्तिक महोत्सव मनाया जा रहा है। कार्तिक मास की कथा ग्रहण करने और सुनने से भगवान की कृपा होती है महाराज लिखवाओ से निज दया से,सुन्दर भाव बताकर । यह बात नवनीत महाराज ने कथा के दौरान कही। कार्तिक मास चौबीसवां अध्याय सुनो सुधाकर।। स्वरोवाच ॥ अपूज्या यत्र पूज्यन्ते पूज्यानां च व्यतिक्रमः। त्रीणि तत्र भविष्यन्ति दुर्भिक्षं मरणं भयम। जहां अपूज्यों की पूजा होती है और पूज्यों की अप्रतिष्ठा होती है वहां पर अकाल, मृत्यु तथा भय ये तीन निश्चय हुआ करते हैं । इस समय पापविनाशक कृष्णा की उत्पत्ति को जो प्राणी सुने या सुनावे उसे कृष्णा- के दर्शन और स्नान का फल प्राप्त होता है । श्री देवाधिदेव मदनमोहन जी सरकार के सिद्ध चैतन्य दरबार में कार्तिक महोत्सव की मंगला आरती मे आज भोग मोरधन की खीर का भोग लगाया गया साथ ही केसर दूध, फल, तांबूल, मगध, दही, रबड़ी, मेवे का भोग लगाया गय सभी धार्मिक कार्यक्रमों में भक्ति भाव से भक्तजन शामिल हो रहा है।

यूरो 2024 क्वालीफाइंग शीर्ष स्कोरर की दौड़ से रोमेलु प्रतिस्पर्धा से बाहर

ब्रसेल्स, एजेंसी

रोमेलु लुकाकु ने यूईएफए यूरो 2024 क्वालीफाइंग में शीर्ष स्कोरर बनने की दौड़ में पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ते हुए बेल्जियम के अभियान को चार गोल के साथ समाप्त किया और इस प्रक्रिया में एक नया रिकॉर्ड बनाया। बेल्जियम के स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकु ने रविवार को चार गोल करके यूईएफए यूरो 2024 क्वालीफाइंग को समग्र रिकॉर्ड 14 स्ट्राइक के साथ पूरा किया , जिससे वह इस प्रक्रिया में पीछा करने वाले पैक से दूर हो गए। बेल्जियम के अंतिम क्वालीफायर में लुकाकू ने पहले हाफ मिनट के अंतराल में 21 शानदार गोल दागे, जिससे रेड डेविल्स ने अजरबैजान को 5-0 से हरा दिया। इसने रोमा ऐस को कुल मिलाकर 14 स्ट्राइक पर ले लिया - एकल यूरोपीय क्वालीफायर अभियान के लिए उत्तरी आयरलैंड के डेविड हीली और पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया । लुकाकु के चार गोल ने उन्हें रोनाल्डो से भी आगे कर दिया, जो मैच के दिन 9 बजे लिकटेंस्टीन पर पुर्तगाल की 2-0 की जीत में नेट ढूंढकर दस गोल तक पहुंच गए थे, लेकिन आइसलैंड के खिलाफ अपनी टीम के अंतिम मुकाबले में अपनी गोल की संख्या को नहीं बढ़ा सके।

रिकॉर्ड 14-0 से जीते

ब्रूनो फर्नांडीस ने स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली है, मैनचेस्टर यूनाइटेड के प्लेमेकर के पास क्वालीफिकेशन के माध्यम से कुल आठ खिलाड़ी हैं। नीदरलैंड के वाइड खिलाड़ी डेंज़ल डमफ़रीज़ के पास पांच हैं, यह आंकड़ा फिनलैंड के तेमू पुक्की, हंगरी के डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई और फ्रांस के स्ट्राइकर किलियन म्बाप्पे से मेल खाता है, जिन्होंने स्टैंडिंग में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंचने के लिए तीन गोल बनाए - खुद को तीन गोल करने के अलावा - यूरो में जिब्राल्टर के विरुद्ध क्वालीफाइंग-रिकॉर्ड 14-0 से जीत।

यूरो क्वालीफाइंग शीर्ष स्कोरर

रोमेलु लुकाकु (बेल्जियम), क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल), किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस), हैरी केन (इंग्लैंड), रासमस होजलुंड (डेनमार्क), स्कॉट मैकटोमिने (स्कॉटलैंड), ज़ेकी अमदौनी (स्विट्ज़रलैंड) एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे), ब्रूनो फर्नांडिस (पुर्तगाल),

वर्ल्ड कप के फाइनल में स्लो पिच की डिमांड की थी, लेकिन...

भारतीय खेमे को उनका ही दांव उलटा पड़ गया

अहमदाबाद, एजेंसी

वर्ल्ड कप के फाइनल में हार के साथ भारत का कैंपेन खत्म हुआ। टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया। कहा जा रहा है कि फाइनल में भारतीय टीम स्लो पिच की वजह से हारी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से पहले भारतीय खेमे से स्लो पिच की डिमांड की थी, लेकिन टीम को उनका ही दांव उलटा पड़ गया। भारत ने इस वर्ल्ड कप के 4 अहम मुकाबले स्लो पिच पर खेले और जीते भी। इसमें से एक मुकाबला चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी हुआ था, जहां भारत की यह रणनीति काम आई। भारत का वर्ल्ड कप में आगाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में हुआ। इस मैच की पिच को भी स्लो कहा गया था। यहां ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी की और 199 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने 200 रन का टारगेट 4 विकेट खो कर चेज कर लिया। भारत को पिच ने फेवर किया और सफलता मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले पिच को लेकर काफी बवाल हुआ था। क्यूरेटर्स पर पहले इस्तेमाल हो चुकी पिच पर मैच कराने के आरोप लगे थे। भारत ने यह मुकाबला 70 रन से जीता था।

इकाना स्टेडियम में स्लो पिच पर हुआ था मैच

भारत का लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला हुआ। इकाना स्टेडियम में यह मैच स्लो पिच पर हुआ था। भारत ने पहले बल्लेबाजी की और इंग्लैंड को 229 रन का टारगेट दिया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 129 रन पर समेट दिया। पेसर मोहम्मद शमी को 4 और जसप्रीत बुमराह को 3 विकेट मिले। वहीं अहमदाबाद में फाइनल में भारत इस वर्ल्ड कप में दूसरी बार अहमदाबाद में खेल रहा था। इससे पहले उसका मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ इसी मैदान हो चुका था। उस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की और 191 पर ऑलाउट हो गई। जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव को यहां 2-2 विकेट मिले। जवाब में भारत ने 7 विकेट से मैच जीत लिया।

विराट के एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन

विराट कोहली ने फाइनल में 54 रन की पारी खेली। इसी के साथ उन्होंने इस वर्ल्ड कप को 765 रन के साथ खत्म किया। वह एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। दूसरे नंबर पर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 2003 में 673 रन बनाए थे। विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में सेंचुरी लगाई, जो उनके वनडे करियर की 50वीं सेंचुरी रही। विराट के नाम वनडे में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड हो गया, उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। जिनके नाम 49 वनडे शतक हैं।

सबसे तेज 50 वर्ल्ड कप विकेट

मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट लेने के साथ ही वर्ल्ड कप में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने महज 17 पारियां लीं, जो टूर्नामेंट इतिहास में सबसे तेज है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 19 पारियों में 50 विकेट लिए थे। शमी इस वर्ल्ड कप में 24 विकेट के साथ टॉप पर रहे।

टी-20 सीरीज 23 नवंबर से होगी शुरू, 3 दिसंबर को फाइनल मैच

मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। सूर्यकुमार यादव इस युवा टीम के कप्तान बनाए गए हैं, जबकि अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मौका नहीं मिला है। टीम में एक दिन पहले समाप्त हुए वनडे वर्ल्ड कप टीम के 3 खिलाड़ियों को जगह मिली है, इनमें सूर्यकुमार, ईशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली, बुमराह और जडेजा को आराम दिया गया है। जबकि श्रेयस अय्यर को आखिरी 2 टी-20 के लिए उपकप्तान बनाया गया है। पहले 3 मैचों में ऋतुराज गायकवाड वाइस कैप्टन होंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज 23 नवंबर से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। यह सीरीज बेंगलुरु में 3 दिसंबर को समाप्त होगी। एक दिन पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में 6 विकेट से हराया है। कंगारू टीम ने छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। भारतीय टीम अपने घरेलू मैदानों पर पिछली 13 टी-20 सीरीज से नहीं हारी है। टीम को पिछली हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2019 में मिली थी। तब कंगारू टीम ने 2 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। टीम में सूर्यकुमार यादव को कप्तान तो ऋतुराज गायकवाड को उपकप्तान बनाया गया है।

मेट्रो बाजार

जियो फाइनेंशियल को ऑटोमैटिक क्रेडिट रेटिंग मिल जाएगी

मुंबई, एजेंसी

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड अपने पहले बॉन्ड इश्यू के लिए मर्चेंट बैंकरों के साथ शुरुआती बातचीत कर रही है। कंपनी इश्यू के जरिए 5,000 करोड़ रुपए से 10,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस बात की जानकारी चार बैंकरों ने सोमवार को रॉयटर्स को दी है। बैंकरों ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग होकर बनी जियो फाइनेंशियल अपनी क्रेडिट रेटिंग और अन्य आवश्यक अप्रूवल्स प्राप्त करने की प्रोसेस में है। बैंकरों ने अपनी पहचान बताने से इनकार कर दिया, क्योंकि वे मीडिया से बात करने के लिए ऑथराइज्ड नहीं हैं। जियो फाइनेंशियल अगस्त में लिस्ट हुई थी। वो बजाज फाइनेंस जैसी कंपनियों के साथ कॉम्पिटिशन करते हुए बाजार में खुद को एक फुल-सर्विस फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म के रूप में स्थापित करना चाहती है। जियो फाइनेंशियल का शेयर सोमवार को 2.40 फीसदी गिरकर 215.50 रुपए पर बंद हुआ। जियो फाइनेंशियल का शेयर रॉकफोर्ट फिनकैप के फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर वेंकटकृष्णन श्रीनिवासन ने कहा, जियो फाइनेंशियल को एक मजबूत प्रमोटर पेरेंटेज मिला है और उम्मीद है कि कंपनी को ऑटोमैटिक क्रेडिट रेटिंग मिल जाएगी। बॉन्ड जारी करने से पहले बैंकरों ने सिफारिश की है कि जियो फाइनेंशियल शॉर्टर-टर्म कॉमर्शियल पेपर्स जारी करे और प्राइसिंग के लिए बैंक बॉरोइंग लाइंस लगाएं। बैंकरों के अनुसार, 5 साल से ज्यादा की मैच्योरिटी वाले बॉन्ड जारी करने की भी सिफारिश की गई है। एक प्राइवेट बैंक के मर्चेंट बैंकर ने कहा, चूंकि कंपनी नई है, इसलिए डॉक्यूमेंटेशन और कंप्लायंस में समय लगेगा और यह मार्च के आखिरी तक पूरे हो सकते हैं।

रॉयल एनफील्ड का एनुअल इवेंट 24 से होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

रॉयल एनफील्ड का एनुअल बाइकिंग इवेंट 24 से 26 नवंबर तक गोवा में होगा। कंपनी इस पॉपुलर इवेंट को इस बार मोटोवर्स-2023% नाम से आयोजित करने जा रही है, पहले ये राइडर मैनिया के नाम से फैमस था। ऑटोमेकर ने इवेंट के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं। मोटोवर्स-2023 में कंपनी तीन बाइकों को ऑफिशियली लॉन्च करने जा रही है। इनमें से एक हिमालयन न्यू जनरेशन हिमालयन 452 है। अन्य दो बाइकों की इन्फॉर्मेशन फिलहाल शेयर नहीं की गई हैं। रॉयल एनफील्ड ने अपकमिंग इवेंट में बाइक लवर्स के लिए कई तरह के कॉन्टेस्ट्स और एंटरटेनमेंट प्रोग्राम का इंतजाम किया है। रॉयल एनफील्ड न्यू जनरेशन हिमालयन 452 टेस्टिंग के दौरान कई बार स्पॉट की जा चुकी है। हाल ही में इसका फर्स्ट लुक जारी किया गया था। न्यू जनरेशन हिमालयन पूरी तरह से नई मोटरसाइकिल है, लेकिन कई बार चेंजेस के बावजूद बाइक का ओवरऑल लुक अपने फर्स्ट जनरेशन एडिशन की तरह ही नजर आता है। बाइक को 2.50 लाख रुपए की एक्सशोरूम कीमत पर लॉन्च किया जा सकता है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

गोविंदा बोले- पार्टी में ना दिखो तो आपको सोशल नहीं माना जाता

प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी पर फिल्ममेकर डेविड धवन और गोविंदा एक दूसरे से बात करते नजर आए थे। एक इंटरव्यू में गोविंदा ने कहा था कि उन्होंने हाल ही में हुई फिल्म प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी अटैंड की थी। यह एक ग्रुप पार्टी नहीं बल्कि इंडस्ट्री पार्टी थी। एक्टर ने आगे यह भी कहा कि आज कल बॉलीवुड पार्टीज ग्रुप में बदल गई हैं। लोगा सिर्फ एक पार्टिकुलर कैंप और अपने ग्रुप से मिलने जाते हैं। अगर आप इन पार्टी में ना दिखें तो आपको सोशल भी नहीं माना जाता। अब गोविंदा ने यह कन्फर्म किया है उनका और डेविड का पैच-अप हो गया है और दोनों हाल ही में दूसरी बार भी मिले हैं। एक इंटरव्यू में गोविंदा ने यह जानकारी भी दी कि वे करीबन 20 साल बाद किसी बॉलीवुड पार्टी में शामिल हुए। साथ ही उन्होंने खुद कहा कि डेविड धवन के साथ उनका पैच अप हो गया है। गोविंदा ने बीते दिनों अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डेविड के साथ यह फोटो शेयर किया था। उन्होंने डेविड को अपनी दूसरी बीवी बताया था।

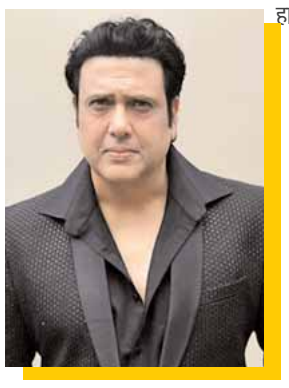

डेविड को अपनी दूसरी बीवी बताया था

गोविंदा ने बीते दिनों अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डेविड के साथ यह फोटो शेयर किया था। उन्होंने डेविड को अपनी दूसरी बीवी बताया था। एक इंटरव्यू में फैंस की रिक्वेस्ट पर खुशी जाहिर करते हुए गोविंदा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि लोगों को आज भी लगता है कि हमें साथ में काम करना चाहिए। यह उनका प्यार है। हमारा पैच-अप हो चुका है। यह हमारी दूसरी मुलाकात थी। हमने एक दिवाली पार्टी पर साथ में अच्छा वक्त बिताया।

करण के टॉक शो में सिद्धार्थ और वरुण नजर आएंगे

कॉफी विद करण के सीजन 8 में इस बार फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' की फेमस जोड़ी एक साथ देखने को मिलेगी। दरअसल, करण के टॉक शो में सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन एक साथ नजर आएंगे। शो के पांचवें एपिसोड का प्रोमो आउट कर दिया गया। प्रोमो में करण जौहर दोनों एक्टर से सवाल-जवाब करते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं ये एपिसोड खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें वरुण और सिद्धार्थ करण से सवाल करते हुए दिखाए दे रहे हैं। करण जौहर विवादों की शुरुआत कैसे करते हैं, इस बारे में बात करते हुए, वरुण धवन ने कहा, 'मेरे पिता की फिल्म में शादीराम घरजोड़े नाम का एक किरदार है। वैसे ही करण जौहर 'घर तोड़े हैं।' वरुण ने ये कहने की कोशिश की है कि करण घर तोड़ने का काम करते हैं। मजेदार सेगमेंट के दौरान, दोनों एक्टर को करण जौहर से सवाल पूछने का मौका मिला तो वरुण ने उनसे पूछा, 'आप सलमान खान को किसी फिल्म के लिए कैसे मनाते हैं?' जिस पर करण जौहर ने जवाब देते हुए कहा, 'भीख मांगो, उधार लो, चोरी करो।' कुछ समय पहले, करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एपिसोड का प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, 'लड़के वापस आ गए हैं। उसी मिठास, पागलपन और प्यार के साथ... बने रहें क्योंकि वे तूफान लाने वाले हैं। करण जौहर के पिछले एपिसोड में करीना कपूर खान और आलिया भट्ट नजर आई थीं। आलिया ने पति रणबीर का पक्ष लेते हुए उन्हें सपोर्ट किया था।

ट्विंकल खन्ना ने कहा - दीपिका का अप्रोच लाइफ पार्टनर चूज करने के लिए लॉजिकल है

करण के इस चैट शो के पहले एपिसोड में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को देखा गया था। इस दौरान दीपिका ने ओपन रिलेशनशिप को लेकर बात की थी। दीपिका ने कहा था कि वे कुछ समय के लिए किसी कमिटमेंट में नहीं पड़ना चाहती थीं और सिंगल रहना चाहती थीं। वे और रणवीर एक दूसरे से कहीं न कहीं कमिटेड थे, लेकिन दीपिका फिर भी किसी दूसरे से मिलने के लिए फ्री थीं। दीपिका के इस स्टेटमेंट को लेकर उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था। ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में दीपिका के इस स्टेटमेंट के लिए अपना सपोर्ट जाहिर किया है। ट्विंकल ने लिखा- दीपिका का इस तरह का अप्रोच काफी महिलाओं के लिए पॉजिटिव साबित हो सकता है।

करण जोहर के शो में डेटिंग वाले बयान पर दीपिका को मिला ट्विंकल का सपोर्ट मिला है। उन्होंने कहा हकि लाइफ पार्टनर चूज करने की उनकी अप्रोच लॉजिकल है, ऑप्शंस एक्सप्लोर करना जरूरी है।

अगर सेम जेंडर के दो लोग आपस में शादी कर लें, तो वो भी लोगों को एक्सेप्टेड नहीं होता...

उन्होंने आगे कहा- भारत में एक 'मांगलिक' लड़की से एक्सेप्ट किया जाता है कि वो किसी पेड़ या डॉग से शादी कर ले। वहीं अगर सेम जेंडर के दो लोग आपस में शादी कर लें, तो वो भी लोगों को एक्सेप्टेड नहीं होता। आगे ट्विंकल ने अपनी बिल्डिंग का एक किस्सा शेयर करते हुआ बताया कि एक 'मांगलिक' लड़की को 'पॉमेरियन डॉग' से शादी करनी पड़ी थी। वहीं झारखंड के एक केस में मांगलिक लड़की ने शेरु नाम के डॉग से शादी की थी। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि लड़की की कुंडली में जो भी बला (मंगल दोष की वजह से) है, वो चली जाए। दोष जाने के बाद लड़की शादी करके खुशनुमा जीवन बिता सकेगी। उन्होंने आगे दीपिका के सपोर्ट में लिखा- दीपिका का अप्रोच लाइफ पार्टनर चूज करने के लिए बिल्कुल लॉजिकल है।

दोस्त की शादी में राजस्थान से भोपाल शामिल होने आया था मृतक

कार ने दो दोस्तों को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित गुलशन गार्डन के सामने बीआरटीएस कारीडोर के कट पाइंट पर तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसा कल रात करीब सवा दस बजे के आसपास का है। युवकों को टक्कर मारने के बाद कार का चालक तेजी से कार लेकर बैरागढ़ की तरफ भाग निकला। इधर हादसे में गंभीर दोनों युवकों को उनके साथी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां एक युवक की इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले कार चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस के बताया कि समीर अली पिता मंजूर अली (23) फाजिल्सा, कालोनी थाना गलता गेट जयपुर, राजस्थान में रहते हैं। उन्होने शिकायत करते हुए बताया कि वह सैलून का संचालन करते हैं और 20 नवंबर सोमवार को वे अपने साथी इरफान, रइस अली और अशरफ अली के साथ भोपाल में दोस्त युसुफ की शादी मे भोपाल आये थे। शादी का कार्यक्रम गुलशन गार्डन हलालपुर में चल रहा था। सभी दोस्त वहीं रुके हुए थे। सोमवार रात करीब सवा 10 बजे उनका साथी रईश अली, अशरफ अली दोनों कार्यक्रम से निकलकर दवाई लेने के लिए सड़क की दूसरी तरफ जा रहे थे। इसी दौरान गाड़ी के ब्रेक लगाने जैसी तेज आवाज आई। समीर की नजर सड़क पर पड़ी तो गुलशन गार्डन के सामने बीआरटीएस कारीडोर कट पाइंट पर एक अज्ञात कार द्वारा उनके साथियों को टक्कर मार दी गई थी। टक्कर मारने के बाद कार का चालक बैरागढ़ की तरफ भाग निकला। हादसे के समय कार लालघाटी की तरफ से आ रही थी।

सिर में आई थी गंभीर चोट

समीर का कहना है घटनास्थल से वे थोड़ी दूरी पर थे और कार का नंबर नहीं देख सके। वे मौके पर पहुंचे तो दोस्त रईस और अशरफ अली गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े थे। अशरफ अली के सिर व दोनो पैरों मे चोट थी, जबकि अशरफ अली के सिर और शरीर मे गंभीर चोट थी। समीर अपने दोनों दोस्तो रईश और अशरफ को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां इलाज के दौरान देर रात अशरफ (24) की मौत हो गई।

बाइक डिवाइडर से टकराई, इंजीनियरिंग छात्र की मौत

कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी घायल हुए थे। घायलों को इलाज के दौरान छुट्टी दे दी गई, जबकि एक छात्र गंभीर रूप से घायल था और उसका इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहाड़था। इलाज के करीब एक महीने चले इलाज के बाद कल दोपहर छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर बिहार चले गए। बिहार में छात्र का दाह संस्कार आज किया गया। पुलिस ने बताया कि जितेंद्र कुमार पिता तेजराम (21) रातीबड़ में रहताड़था और पटेल कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रहाड़था। मूलत- बिहार निवासी जितेंद्र गत 27 अक्टूबर को अपने दोस्तों के साथ पार्टी करने पुराने शहर आया था। यहां खाना खाने के बाद वह अपने साथियों के साथ वीआईपी रोड घूमते हुए रातीबड़ जाने के लिए निकलाड़था। इस दौरान वीआईपी रोड पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में जितेंद्र और उसके साथियों को चोट आई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके साथियो को कम चोट होने के कारण उन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि जितेंद्र को सिर में गंभीर चोट होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान कल दोपहर करीब 12 बजे के आसपास जितेंद्र की मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे एएसआई रमाशंकर खरे ने बताया कि शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। घटना के बाद से ही जितेंद्र को होश नहीं आया था और उसके बयान दर्ज नहीं हो सके। पुलिस उसके साथियों का पता लगा रही है। साथियों से पूछताछ के बाद हादसे की सही वजह साफ हो सकेगी।

डंपर ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

गुनगा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम रतुआ के पास मेनरोड पर रविवार रात तेज र तार डंपर ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर आरोपी चालक और डंपर की खोजबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अरुण शर्मा के मुताबिक मूलरूप से ग्राम पलासी गुर्जर थाना करारिया जिला विदिशा निवासी शिवराज डेहरिया (30) प्राइवेट काम करता था। रविवार को वह सूखी सेवनिया में रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर आया था। रात करीब दस बजे वह मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था। उसी दौरान ग्राम रतुआ के पास मेनरोड पर तेज र तार डंपर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए शिवराज की मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि डंपर की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

एक्टिवा सवार बुजुर्ग को ऑटो ने मारी टक्कर, मौत

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पीतल मंदिर के पास मंत्री प्रहलाद पटेल के बंगले के सामने बीती रात करीब पौने 10 बजे तेज रफ्तार आटो ने एक्टिवा सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आटो पलट गया था। हादसे के बाद एक्टिवा सवार बुजुर्ग को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, वहां इलाज के दौरान देर रात बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज देख रही है। पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसमें आटो नजर आया है। हालांकि उसका नंबर नजर नहीं आ रहा है।एएसआई तारुमल ने बताया कि राजेश गर्ग (60) इब्राहिमपुरा में रहते थे और लखेरापुरा में ज्वैलरी शॉप का संचालन करते थे। उन्हें कुछ दवाइयां लेनीथी और दवाई लेने के लिए वह एक्टिवा से अकेले ही टीटी नगर आए हुए थे। इस दौरान करीब पौने 10 बजे के आसपास प्रहलाद पटेल के बंगले के सामने पीतल मंदिर के पास तेज रफ्तार आटो ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, वहां रात करीब एक बजे के आसपास उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और लोगों से पूछताछ करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। इस दौरान पता चला कि किसी आटो चालक ने तेजी और लापरवाही से आटो चलाकर उनकी एक्टिवा में टक्कर मारी है। टक्कर मारने के बाद आटो पलट गया था। हालांकि पुलिस को घटनास्थल से आटो नहीं मिला है। पुलिस आटो की तलाश कर रही है। हादसे के समय आटो में चालक अकेला था या फिर सवारी थी इसका भी पता लगाया जा रहा है।

शोरूम में काम करने वाली युवती से नारियल पानी वाले ने किया किया दुष्कर्म

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित दो पहिया वाहन के शोरूम के ऊपर रहने वाली युवती से घर में घुसकर, मारपीट और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना गत 12 नवंबर की है। पीड़िता ने घटना की शिकायत कालापीपल थाने पहुंचकर की थी। वहां से केस डायरी आने के बाद कमला नगर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 28 साल की युवती शादीशुदा है और कालापीपल में रहती है। यहां इलाके में एक शोरूम में काम करने वाली युवती शोरूम के ऊपर ही कमरे में रहती है। उसने कालापीपल पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 12 नवंबर को वह अपने कमरे में थी। इस दौरान शोरूम के सामने नारियल पानी का ठेला लगाने वाला राहुल उसके कमरे में घुस गया। युवती ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करते हुए उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता आरोपी से डरकर अपने गांव चली गई थी। वहां स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामला कमला नगर थाना क्षेत्र का होने के कारण केस डायरी कमला नगर थाने भेजी गई है।

रेलवे अस्पताल की छत की सीलिंग गिरी

भोपाल। रेलवे अस्पताल में हाल में निर्मित हॉल की छत की सीलिंग गिर गई। यह घटना दवा काउंटर के पास हुई। इससे यहां मौजूद मरीजों में हडकंप व चीखपुकार मच गई। रेल्वे के इंजीनियरिंग विभाग के इस काम की जांच की मांग उठी है।

आर्मी के नायक से अज्ञात लड़कों ने की मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित डी सेक्टर मैदान में पानी की टंकी के पास सेना के नायक से आधा दर्जन युवकों ने मारपीट कर दी। दरअसल, सेना नायक मार्केट से घर जा रहे थे, तभी रास्ते में खड़े युवकों को उन्होंने रास्ते से हटने का कह दिया था। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने सेना नायक की शिकायत पर अज्ञात युवकों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मनीष सिंह पिता गंगासिंह (38) ई सेक्टर, बरखेड़ा गोविंदपुरा में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे आर्मी में नायक के पद पर हैं। रविवार रात वे बजरंग मार्केट बरखेड़ा से अपने घर जा रहा था। इस दौरान डी सेक्टर ग्राउंड के पानी की टंकी के पास वे पहुंचे तो रास्ते में चार- पांच लड़के रोड पर खडे थे। मनीष सिंह ने उन्हें कहा कि रास्ते से हटने का कहा तो वह भड़क गए और गालीगलौ करने लगे। मनीष ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने उनके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर दी।

मेट्रो एंकर इंजीनियरिंग के छात्र के कमरे से चोरी हुआ सामान

लैपटॉप, आईफोन, मोबाइल समेत एक लाख चालीस हजार रुपए की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित सी सेक्टर, ईशान इंद्रभवन के पास रहने वाले इंजीनियरिंग के छात्र के कमरे में अज्ञात बदमाश लैपटाप, आईफोन, मोबाइल समेत 1 लाख 40 हजार रुपए का सामान चुराकर ले गया। पुलिस ने उक्त मामले में नकबजनी का मामला दर्ज कर बदमाश की तलाश शुरू कर दी है।

प्रधान आरक्षक बृजेश ने बताया कि अंकुर कुमार ओझा पिता अनुज कुमार ओझा (20) ईंद्रपुरी सी-सेक्टर, में रहता है। मूलत-बिहार निवासी अंकुर यहां दोस्तों के साथ रहता है और निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को बताया कि गत 18 नवंबर की सभी दोस्त सुबह उठकर अपने-अपने काम से चले गए थे। वे रूम पर अकेला सो रहा था। इस दौरान कमरे में रखा लैपटाप, आईफोन और मोबाइल किसी ने चुरा लिया। नींद खुलने पर उसने अपने दोस्तों से पूछताछ की थी। दोस्तों ने बताया कि उन्हें लैपटाप, आईफोन और मोबाइल की जानकारी नहीं है। इसके बाद अंकुर ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने सोमवार दोपहर शिकायत दर्ज कर ली। पुलिस ने बताया कि सी सेक्टर में अनुज के रूम के पास झुग्गी बस्ती लगी हुई है। अनुमान है कि झुग्गी बस्ती से ही किसी ने चोरी की है।

इधर, निजी कॉलेज के प्रोफेसर के घर से एक लाख का माल चोरी

इधर अयोध्या नगर पुलिस ने बताया कि वीरेंद्र खातरकर मूलत बैतूल के रहने वाले हैं और नरेला जोड़ स्थित सुरभि परिसर में एक्स सर्विस मैन के मकान में किराए से रहते हैं। गत 11 नवंबर को वह परिवार के साथ दीवाली मनाने बैतूल चले गए थे।

फाइल फोटो

वहां से सोमवार सुबह भोपाल लौटे थे। इससे पूर्व ही उनके मकान मालिक ने उन्हें कॉल कर पूछा था कि कमरे पर ताला नहीं लगाया गया है क्या। वीरेंद्र ने उन्हें बताया कि वह ताला लगाकर आया था। बदमाश उनके घर से ताला तोड़कर नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए है। बदमाश उनके घर से कुल एक लाख रुपए का माल चुराकर ले गए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022